CNews सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-242
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार
मुश्किलें आएंगी, लेकिन हार मानना कभी मत।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, शनिवार 07 दिसम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

राज्यसभा में अभिषेक मनु सिंघवी की सीट पर मिली नोटों की गड्डी, संसद में मचा भारी बवाल

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में लगातार हंगामा जारी है। राज्यसभा में शुक्रवार को नोटों की गड्डी मिलने के मुद्दे पर खूब हंगामा हुआ। सभापति जगदीप धनखड़ खुद इस मामले को सभी सांसदों के सामने लाए और कहा कि गुरुवार को सदन के अंदर नोटों की गड्डी मिली है। उन्होंने कहा कि ये नोट सीट नंबर 222 पर मिले, जो कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी को मिली हुई है। सभापति दगदीप धनखड़ ने कहा कि गुरुवार को जब सदन की कार्यवाही खत्म हुई तब नियमित सुरक्षा जांच के बाद सीट नंबर 222 के नीचे नोटों की गड्डी मिली। यह सीट कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की है। उन्होंने कहा कि यह मामला गंभीर है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि मामले की गहन जांच हो। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और पीयूष गोयल ने भी मामले की जांच की बात कही। कांग्रेस सांसद अभिषेक सिंघवी ने कहा कि यह सब एक मजाक की तरह है। मैं जब भी संसद जाता हूं तो केवल 500 रुपए का नोट साथ लेकर जाता हूं। उन्होंने कहा कि गुरुवार को मैं दोपहर 12 बजकर 57 मिनट पर संसद आया था। इसके बाद 1 बजे कैंटीन चला गया और 1.30 बजे तक वहीं रहा। इसके बाद मैं घर वापस चला गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि सिर्फ 3 मिनट मैं संसद में रहा और ये बिना बात के आरोप लगाए जा रहे हैं। सांसद ने कहा कि ये सब राजनीति हो रही है और वो खुद चाहते हैं कि इसकी गहन जांच की जाए और इसकी

पूरी सच्चाई सामने आए। कांग्रेस ने नोट कांड पर जेपीसी गठित करने की मांग की है। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि यह सारा मामला अडानी मामले से ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस के चीफ व्हिप जयराम रमेश ने इस मामले में सभापति से मुलाकात की है। वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति धनखड़ को जवाब देते हुए कहा कि अगर मामले की जांच चल रही थी तो सभापति को सांसद का नाम नहीं लेना चाहिए था। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि, यह भाजपा की रणनीति है, ध्यान भटकाने की चाल है। हम जो मुद्दे उठा रहे हैं, किसानों के मुद्दे, खुद सभापति ने उठाए हैं. जबकि कई बड़े मुद्दे हैं। हम चाहते हैं कि मोदी घोटाले में रिश्वतखोरी के आरोपों पर चर्चा हो। इसलिए इनसे ध्यान भटकाने के लिए वे नए मुद्दे उठाते हैं। मैंने पहली बार देखा कि आज भाजपा के सांसद सत्र स्थगित करने के लिए बहुत उत्सुक थे। हम लोकसभा में मांग कर रहे हैं कि मोदी घोटाले पर चर्चा हो, लोकसभा स्थगित की जा रही है। दरअसल, संसद में नोट लेकर जाने पर कोई नियम नहीं है। कोई भी सांसद कितने रुपए संसद में लेकर जा सकता है, इस पर भी कोई सीमा नहीं रखी गई है। कई सांसद डिजिटल पेमेंट करते हैं, तो कुछ केवल नकदी का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में वे संसद के अंदर भी पैसे लेकर जाते हैं। कई सांसद संसद में बैंक की ब्रांच से पैसे निकालकर सदन में भी ले जाते हैं। सिंघवी मामले में जांच दिल्ली पुलिस करेगी या कोई और एजेंसी, ये सभापति जगदीप धनखड़ पर निर्भर करता है। इस बात की जांच की जाएगी कि क्या ये पैसे सिंघवी के थे, या किसी और ने इसे रखा है।

देश में खुलेंगे 85 केंद्रीय और 28 नवोदय विद्यालय, केंद्रीय कैबिनेट बैठक में फैसला

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की शुक्रवार को बैठक हुई। इसमें तमाम फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश में 85 केंद्रीय और 28 नए नवोदय विद्यालय खोले जाएंगे। ये विद्यालय उन जिलों खोले जाएंगे जिनको नवोदय विद्यालय योजना के तहत कवर नहीं किया गया है। इसके अलावा बैठक में हरियाणा से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए दिल्ली मेट्रो के 26.46 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली कॉरिडोर को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए पीएम श्री लाया गया। सभी केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों को पीएम श्री स्कूलों के रूप में नामित किया गया है। ताकि उन्हें मॉडल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि नए केंद्रीय विद्यालय खुलने से देश भर में 82 हजार से अधिक छात्रों को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मौजूदा समय में 1256 कार्यात्मक केंद्रीय विद्यालय हैं। इनमें तीन विदेश में हैं। इनमें मॉस्को, काठमांडू और तेहरान शामिल हैं। 13.56 लाख छात्र इन स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

हिंदुओं पर अत्याचार के बीच 9 दिसंबर को बांग्लादेश का दौरा करेंगे विदेश सचिव

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश सचिव 9 दिसंबर को

बांग्लादेश का दौरा करने वाले हैं और वे अपने समकक्ष से मिलेंगे और इस यात्रा के दौरान कई अन्य बैठकें भी होंगी। विदेश सचिव के नेतृत्व में विदेश कार्यालय परामर्श भारत और बांग्लादेश के बीच एक संरचित जुड़ाव है। हम इस बैठक की प्रतीक्षा कर रहे हैं। बता दें कि, बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं बढ़ गई है। वहीं भारत ने इस मामले में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील भी की थी। वहीं सीरिया में हाल ही में हुए घटनाक्रमों पर उन्होंने कहा कि, ह्यहमने सीरिया के उत्तर में हाल ही में लड़ाई में हुई बढ़ोतरी पर ध्यान दिया है। हम स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। सीरिया में लगभग 90 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो कई संयुक्त राष्ट्र संगठनों में काम कर रहे हैं। हमारे दूतावास अपने नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए उनके साथ निकट संपर्क में हैं। मसूद अजहर के बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि, वह संयुक्त राष्ट्र की तरफ से घोषित आतंकवादी है। हम मांग करते हैं कि उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि उसे न्याय के कटघरे में लाया जा सके।

10 फीट तक सोने से मढ़ा होगा राम मंदिर का शिखर, 15 मार्च तक पूरा होगा निर्माण

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन शुक्रवार को नृपेंद्र मिश्र ने निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इससे पहले बताया कि निर्माण कार्यों की प्रगति संतोषजनक है। मजदूरों की संख्या बढ़ी है लेकिन अपेक्षाकृत अभी मजदूरों की कमी है। प्राथमिकता मंदिर निर्माण पूरा करना है, जो 15 मार्च तक पूरा हो जाएगा। उसी के साथ सप्त मंदिरों का भी काम पूरा किया जा रहा है। प्रयास है कि मार्च तक परकोटा का तीन चौथाई काम पूरा हो जाए। उन्होंने बताया कि लोअर प्लिंथ में 500 फीट लंबाई में आर्ट वर्क पूरा हो गया है। पत्थरों पर रामकथा के प्रसंग उकेरे जा रहे हैं। तीर्थयात्री सुविधा केंद्र, फायर स्टेशन और वॉटर प्लाट आदि जो परियोजना है। कोशिश है कि उसे जनवरी तक ट्रस्ट को हैंडओवर कर दिया जाए। राम मंदिर का शिखर 10 फीट तक शीर्ष पर सोने से मंडित होगा।

विद्या के मंदिर में खूनी खेल...यह सभी के लिए सोचने का समय

प्रिंसिपल के सिर में गोली मारकर स्कूटी से भाग गया छात्र

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के एक सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले छात्र द्वारा प्रिंसिपल की सिर में गोली मारकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या करने के बाद आरोपी छात्र प्रिंसिपल की स्कूटी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने प्रिंसिपल के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एफएसएल की टीम भी घटनास्थल की बारीकी से जांच करने में जुट गई। घटना शुक्रवार दोपहर एक बजे की है। 12वीं क्लास में पढ़ने वाले एक छात्र ने छतरपुर जिले के धमोरा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अंदर प्रिंसिपल पुष्पेंद्र सक्सेना के सिर में उस वक्त गोली मार दी, जब वे स्कूल में बने बाथरूम में गए हुए थे। स्कूल में ही पढ़ने वाला छात्र भी उनके पीछे से पहुंच गया और उनके सिर में गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने किया गिरफ्तार- पुलिस ने आरोपी छात्र को घटना के कुछ घंटे बाद ही महोबा से गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि अभी इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि आरोपी छात्र ने प्रिंसिपल की हत्या क्यों की। लेकिन बताया जा रहा है कि आरोपी छात्र आवारागर्दी करता रहता था जिसके कारण प्रिंसिपल

एसके सक्सेना बार-बार उसे पढ़ाई पर ध्यान देने की नसीहत देते थे। इतना ही नहीं यह भी पता चला है कि आरोपी छात्र कई बार स्कूल में तमंचा लेकर आया जिसे लेकर भी प्रिंसिपल ने उसे नसीहत दी थी और उसके परिजन से भी शिकायत की थी। अंदेशा है कि इन्हीं सब बातों को लेकर छात्र प्रिंसिपल से नाराज था और उसने इस वारदात को अंजाम दे डाला।

12वीं में पढ़ता है, छात्राओं पर करता था कमेंट- आरोपी छात्र 12वीं क्लास में पढ़ता है और गणित विषय से पढ़ाई कर रहा था। पुलिस इस बात का पता लगाने में जुट गई है कि आरोपी छात्र के पास हथियार कहां से आया और उसने इस वारदात को अंजाम क्यों दिया। पुलिस पूछताछ में स्कूल के छात्रों ने बताया कि आरोपी स्कूल में छात्राओं पर कमेंट कर छेड़छाड़ करता था। इसकी शिकायत छात्राओं ने टीचर और प्रिंसिपल से की थी। प्रिंसिपल ने छात्र को सख्ती से समझाया था, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं था। इस पर प्रिंसिपल ने उसके परिजनों को स्कूल बुलाकर बेटे की शिकायत की थी। उसने टीचर के समझाने पर उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी थी।

गोली की आवाज से दहल गया स्कूल- स्कूल में पढ़ाने वाले अन्य शिक्षकों ने बताया कि अचानक से गोली चलने की आवाज आई तो किसी को कुछ समझ में नहीं आया। इस पहले कि हम सब कुछ समझ पाते एक छात्र तेजी से दौड़ता हुआ बाथरूम से बाहर निकला। जब हमने अंदर जाकर देखा तो प्रिंसिपल की लाश जमीन पर खून से लथपथ पड़ी हुई थी। घटना के तुरंत बाद के स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को घर भेज दिया गया। पुलिस इस मामले की बारीकी से जांच करते हुए स्कूल स्टाफ से पूछताछ करने के साथ ही घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी है। इस खौफनाक घटना से सभी छात्रों और शिक्षकों में दहशत का माहौल है।

प्लान के तहत मर्डर का आरोप- प्रिंसिपल के छोटे भाई राजेंद्र सक्सेना ने कहा कि मेरे भाई इसी स्कूल में करीब 4-5 साल से पोस्टेड थे, लेकिन कुछ लोग उन पर अनावश्यक दबाव डालते थे। गलत काम करवाने के लिए उनको प्रताड़ित करते थे। स्कूल का गेट हमेशा बंद रहता है, लेकिन आज खुला रखा गया। कोई भी एंट्री करे, कोई भी चला जाए। मुझे लगता है कि यह प्लान के तहत मर्डर करवाया गया है, ताकि आरोपी वारदात कर आसानी से भाग सकें।

की जा रही है जांच पड़ताल- प्राचार्य की गोली मारकर हत्या की घटना सामने आई है। आरोपित छात्र को पकड़ लिया गया है। जिसने गोली मारना स्वीकारा है। घटना के पीछे और क्या कारण हो सकते हैं इसे लेकर जांच पड़ताल की जा रही है।

- अगम जैन, एसपी, छतरपुर

11 से 26 दिसंबर तक मप्र में बड़ा आयोजन

मोहन सरकार का एक साल पूरा होने पर मनाया जाएगा जन कल्याण पर्व

भोपाल। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार का एक साल पूरा होने पर प्रदेश में 11 से 26 दिसंबर तक 'जन कल्याण पर्व' मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री 8 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश देंगे। इस पर्व के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीबों के कल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सरकार ने इस पर्व को भव्य बनाने के लिए कई तैयारियां की हैं। मुख्यमंत्री ने जन कल्याण पर्व के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियां गठित की हैं। इन समितियों के अध्यक्ष संबंधित मंत्री होंगे। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंसाना किसानों से जुड़ी समिति के अध्यक्ष होंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय युवाओं से जुड़ी समिति के अध्यक्ष होंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल गरीब कल्याण से जुड़ी समिति के अध्यक्ष होंगे। महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया महिलाओं से जुड़ी समिति की अध्यक्ष होंगी। सीएम ने बताया कि प्रदेश में 11 दिसंबर को भोपाल सहित सभी जिलों में गीता जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। इसके अलावा, ग्वालियर में 15 से 19 दिसंबर तक तानसेन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस पर्व के माध्यम से सरकार अपने एक साल के कार्यकाल में किए गए कार्यों का लेखा-जोखा जनता के सामने पेश करेगी। साथ ही, आने वाले समय में जनता के कल्याण के लिए किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा भी पेश की जाएगी।

जल्द जल्लाद नियुक्त करो... तीन साल की बच्ची के रेप-मर्डर मौत की सजा

चंडीगढ़। गुरुग्राम में साल 2018 में तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के लिए दोषी को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने की मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि दुष्कर्म करने के बाद बच्ची की जघन्य हत्या दोषी के राक्षसी आचरण का एक उदाहरण है। हाईकोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेट को प्रासंगिक प्रावधानों के मुताबिक जल्द एक जल्लाद नियुक्त करने का निर्देश दिया और दोषी अपीलकर्ता पर मृत्युदंड की सजा को क्रियान्वित करने के लिए अनुसूची तैयार करने को भी कहा। गुरुग्राम की विशेष अदालत ने दोषी को मौत की सजा सुनाई थी, जिसे हाईकोर्ट ने बरकरार रखा। जस्टिस सुरेश्वर ठाकुर और जस्टिस सुदीप्ति शर्मा की खंडपीठ ने फरवरी में ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए तर्क से सहमति जताई, जिसमें कहा गया था कि यह मामला दुर्लभतम मामलों में आता है। हाईकोर्ट ने अपने 41 पेज के आदेश में कहा कि स्पष्ट रूप से यह मामला एक बच्ची की जघन्य हत्या से संबंधित है, लेकिन उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद दोषी-अपीलकर्ता के अमानवीय और राक्षसी आचरण का उदाहरण भी है। हाईकोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेट को मृत्युदंड के निष्पादन के लिए अनुसूची तैयार करने का निर्देश दिया और कहा कि अपील की समय अवधि समाप्त होने के बाद इसे निष्पादित किया जाए। हाईकोर्ट मौत की सजा की पुष्टि के लिए राज्य की अपील और सजा के आदेश के खिलाफ दोषी सुनील की अपील पर सुनवाई कर रहा था।

'किसानों का लाड़ला' कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को मिला नया नाम

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले शिवराज सिंह चौहान की पहचान मध्यप्रदेश में 'मामा' के रूप में रही है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री रहते बेटियों के लिए पढ़ाई से शादी में मदद तक और महिलाओं के लिए तमाम योजनाओं के बदले शिवराज सिंह चौहान को यह पहचान मिली। शिवराज सिंह चौहान ने भी इसी पहचान को अपनाया। हालांकि 'मामा' वाली पहचान अब बदल गई है। शिवराज सिंह चौहान को एक नया नाम मिला है। शिवराज सिंह चौहान को 'किसानों का लाड़ला' नाम मिला है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने

शिवराज सिंह चौहान को यह नाम दिया है। उन्होंने कहा कि जिस आदमी की पहचान देश में बहनों के लाड़ले के नाम से थी, वो किसानों का लाडला होगा, उसको लेकर मैं आशावान हूं। वो ऊजावान मंत्री हैं। तभी जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैंने आज से आपका (शिवराज) नामकरण कर दिया है- किसानों के लाड़ले। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान ने भी हाथ जोड़कर जगदीप धनखड़ को प्रणाम किया।

राज्यसभा में उठा था किसानों का मुद्दा- राज्यसभा में शुक्रवार को किसानों का मुद्दा उठा था। कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने किसानों के प्रदर्शन की बात की और पूछा कि सरकार की एमएसपी को लेकर क्या राय है। इस पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान जवाब देने के लिए खड़े हुए। हालांकि उनके पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मेरे और कृषि मंत्री के बीच में बातचीत हुई। जयराम रमेश से मुझे उम्मीद थी कि वो कोई सवाल पूछेंगे। बड़ा अच्छा लगता कि एक बार भी स्थगन प्रस्ताव आता। उसके बाद धनखड़ ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बोलने की अनुमति दी।

कांग्रेस को शिवराज सिंह चौहान ने जवाब दिया- शिवराज सिंह चौहान ने अपने जवाब में कहा कि जयराम रमेश ने एमएसपी को लेकर हमारी राय पूछी है तो हमारी बहुत ही पवित्र राय है। हम लागत से 50 प्रतिशत से ज्यादा मिनिमम सपोर्ट प्राइस तय करेंगे और खरीदने का भी काम करेंगे। इसी दौरान कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इन्होंने नहीं खरीदा। एक-एक आंकड़ा पढ़कर बता सकता हूं। कांग्रेस की जब सरकार थी, कभी एमएसपी पर खरीद नहीं की। कृषि मंत्री ने आगे कहा कि मेरे लिए किसानों की सेवा भगवान की पूजा है। यही मानकर उनकी सेवा के काम में लगे रहेंगे। एमएसपी पर किसानों की फसलों को खरीदा है और अभी भी खरीदेंगे।

इंदौर में आयरन स्क्रैप से बनी सांची स्तूप के दक्षिण द्वार की अनोखी प्रतिकृति

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर इंदौर के गीता भवन चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर मेयर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक महेंद्र हार्डिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक विशेष आयोजन के तहत आयरन स्क्रैप से बनी सांची स्तूप के दक्षिण द्वार की प्रतिकृति का लोकार्पण किया गया। यह प्रतिकृति शहर में पर्यावरण संरक्षण और कलात्मकता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इंदौर, जो अपनी स्वच्छता और नवाचार के लिए प्रसिद्ध है, इस प्रकार की अनूठी पहलों को लगातार प्रोत्साहित करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि स्क्रैप से बनी यह दूसरी संरचना है, इससे पहले पिछले वर्ष विश्राम बाग में राम मंदिर की प्रतिकृति का निर्माण किया गया था।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मददगार
सांची स्तूप के दक्षिण द्वार की प्रतिकृति गीता भवन चौराहा पर डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के पास स्थापित की गई है। यह संरचना पूरी तरह से आयरन स्क्रैप से तैयार की गई है, जिसमें बाइक की चेन, गियर पार्ट्स, नट-बोल्ट, मेटल शीट्स, लोहे के पाइप, पुराने वाहनों के हिस्से, व्हीलचेयर और अन्य धातु के स्क्रैप का उपयोग किया गया है। यह प्रतिकृति 15 फीट ऊंची, 10 फीट चौड़ी और 1.6 फीट मोटी है, जो न केवल एक कलात्मक नमूना है बल्कि पुनर्चक्रण और संसाधनों के बेहतर उपयोग का प्रतीक भी है। इस प्रकार की पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मददगार है, बल्कि शहर के सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत को भी उभारती है।

पर्यावरण-संवेदनशीलता का आदर्श उदाहरण
इस परियोजना का उद्देश्य इंदौर को नवाचार और पर्यावरण-संवेदनशीलता का आदर्श उदाहरण बनाना है। इस पहल के माध्यम से पुराने और अनुपयोगी वस्तुओं को पुनः उपयोग में लाने के महत्व को रेखांकित किया गया है। यह प्रतिकृति न केवल शहरवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि कला, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश भी देती है।

दिलजीत दोसांझ के शो का बढ़ा विरोध, बजरंग दल भी मैदान में

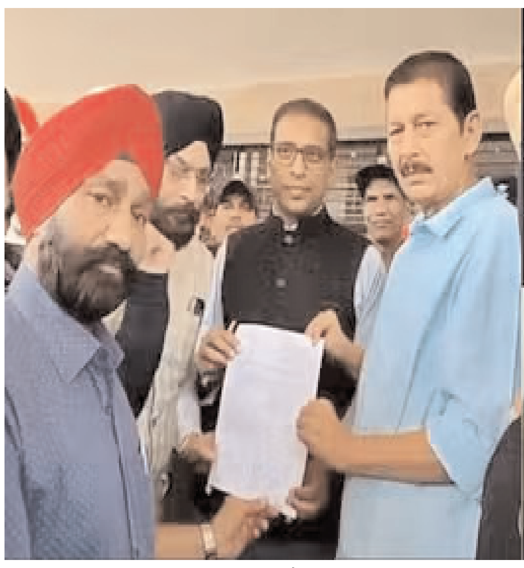

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर के खजराना इलाके में 8 दिसंबर को पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ का शो प्रस्तावित है, लेकिन इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। बजरंग दल के कार्यकर्ता इस आयोजन के खिलाफ मुखर हो गए हैं और उन्होंने शुक्रवार को जोन-2 के एडिशनल डीसीपी अमरेंर्द्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने दिलजीत पर खालिस्तानी समर्थक होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपनी कला का गलत उपयोग कर रहे हैं और देशविरोधी बयानों के कारण युवाओं को भटकाने का काम कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की कि इस कार्यक्रम की अनुमति रद्द की जाए और पुलिस-प्रशासन को इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था प्रदान नहीं करनी चाहिए। बजरंग दल ने आरोप लगाया कि दिलजीत ने पूर्व में खालिस्तानी आतंकी के समर्थन में बयान दिए हैं और ऐसे व्यक्तित्व को सार्वजनिक मंच पर प्रदर्शन करने देना देश की अखंडता और शांति के लिए खतरा हो सकता है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि दिलजीत जैसे कलाकार युवाओं को गलत दिशा में प्रेरित कर सकते हैं और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

कार्यक्रम को इजाजत दी तो होगा विरोध
बजरंग दल ने चेतावनी दी है कि अगर प्रशासन इस कार्यक्रम को अनुमति देता है तो बजरंग दल इसका मौके पर जाकर विरोध करेगा। इस मुद्दे को लेकर बजरंग दल ने एडिशनल डीसीपी को ज्ञापन सौंपा और अपनी चिंताएं व्यक्त कीं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि खालिस्तानी समर्थकों के बयान देने वाले किसी भी कलाकार को मंच देने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने ज्ञापन स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि मामले को वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाएगा।

विधायक रमेश मेंदोला ने भी सौंपा ज्ञापन
कंसर्ट के टिकट कुछ दिन पहले ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए थे। लेकिन, कुछ ही मिनटों में ऑनलाइन बिक्री बंद हो गई, और इसके बाद टिकट की कालाबाजारी की खबरें सामने आईं। बताया गया कि 5 हजार रुपए के टिकट 50 हजार रुपए तक बेचे जा रहे हैं। बीजेपी विधायक रमेश मेंदोला ने भी इसे लेकर सिख समाज के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्टर आशीष सिंह को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि टिकट की कालाबाजारी रोकी जाए और 5 हजार का टिकट 5 हजार में ही उपलब्ध कराया जाए। आयोजन स्थल छोटा होने और सड़क संकरी होने के कारण संभावित ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान किया जाए। कार्यक्रम में शराब परोसने की अनुमति रद्द की जाए। सिख समाज ने कलेक्टर को ज्ञापन देते हुए इस कार्यक्रम में ट्रैफिक और कानून-व्यवस्था के मद्देनजर उचित प्रबंध करने की मांग की। विधायक मेंदोला ने कहा कि कार्यक्रम स्थल छोटा और सड़कें संकरी हैं, जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो सकती है। साथ ही, उन्होंने शराब परोसने की अनुमति का विरोध करते हुए इसे धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मामला बताया।

कलेक्टर बोले आबकारी नियमों का सख्ती से पालन होगा
कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि सिख समाज द्वारा ट्रैफिक, टिकट कालाबाजारी और अन्य मुद्दों पर ज्ञापन दिया गया है। इसमें नियमानुसार अनुमति दी जाएगी और आयोजन के दौरान आबकारी नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। ट्रैफिक और कानून-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रबंध किए जाएंगे ताकि क्षेत्र में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

नशे की दवा पिलाकर संबंध बनाए, फोटो स्टूडियो मालिक पर रेप का आरोप

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के सुदामा नगर में रहने वाली एक महिला ने फोटो स्टूडियो के मालिक पर रेप का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि आठ साल पहले उसकी मुलाकात आरोपी ऋषभ चंदेरीवाल से एक प्रोग्राम के दौरान हुई थी।

उस समय ऋषभ ने खुद को बैंक में कार्यरत होने और सुदामा नगर में साईनाथ फोटो स्टूडियो का संचालक बताया था। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती हो गई। आरोपी ने महिला से कहा कि वह उसे पसंद करता है, जबकि महिला ने उसे बताया कि वह शादीशुदा है लेकिन अपने पति से अलग रहती है। इसके बाद ऋषभ ने महिला से दोस्ती बढ़ाई और उसे घर बुलाया। 2017 में ऋषभ ने महिला को अपने घर बुलाया, जहां उसकी बहन ने उसे कोल्ड्रिंक दी। महिला का कहना है कि कोल्ड्रिंक पीने के बाद वह बेहोश हो गई और आरोपी ने उसका शारीरिक शोषण किया। जब महिला को होश आया, तो उसने विरोध किया, लेकिन ऋषभ ने उसे धमकी दी कि उसने कुछ फोटो खींचे हैं, जिनके माध्यम से वह महिला को अपने पति से तलाक लेने के लिए मजबूर करेगा। इसके बाद आरोपी ने महिला से शादी का वादा किया और कई बार शारीरिक संबंध बनाए। महिला का कहना है कि ऋषभ की मां और बहन उसे शादी के बारे में जल्द करने की बात कहती थीं और उसे यह भरोसा दिलाया गया कि जल्दी ही उसकी शादी हो जाएगी। हालांकि, जब ऋषभ की बहन की शादी तय हुई, तो उसने शादी करने का वादा किया, लेकिन बाद में महिला को पता चला कि ऋषभ का कहीं और रिश्ता तय हो गया है। जब महिला ने इसका विरोध किया, तो आरोपी के माता-पिता ने उसे जान से मारने की धमकी दी और कहा कि वह तेजाब से उसका चेहरा भी जला सकते हैं। इसके बाद महिला ने अपने माता-पिता से इस बारे में बात की, जिन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। महिला ने फिर पुलिस के पास जाकर मामला दर्ज कराया और आरोपी के खिलाफ रेप, धमकी और शारीरिक शोषण के आरोप लगाए। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है और आरोपी के खिलाफ रेप और धमकी देने का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंदौर से भुवनेश्वर लिए जनवरी से शुरू होगी नई उड़ान

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर से इंडिगो एयरलाइंस जल्दी ही भुवनेश्वर के लिए नई उड़ान शुरू करने जा रहा है। इस फ्लाइट से जगन्नाथ पुरी की यात्रा करने वाले लोगों का सफर आसान हो जाएगा। अभी तक इंदौर से भुवनेश्वर के लिए सीधी उड़ान नहीं थी। जनवरी में नई उड़ान की तैयारी है। अभी कंपनी ने शेड्यूल जारी नहीं किया है। इस उड़ान की लंबे समय से मांग की जा रही थी। इंदौर से काफी यात्री जगन्नाथ पुरी जाते है। इंदौर से जगन्नाथपुरी के लिए हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन है, लेकिन वह काफी समय लेती है। इंदौर से भुवनेश्वर या जगन्नाथपुरी के लिए यात्री हैदराबाद या दिल्ली से होकर जाते है, लेकिन सफर काफी महंगा हो जाता है और समय भी ज्यादा लगता था। भुवनेश्वर से जगन्नाथपुरी डेढ़ घंटे में पहुंचा जा सकता है। इंदौर से भुवनेश्वर नई उड़ान एक घंटे में यात्रियों को पहुंचा देगी। इस नई उड़ान से उन यात्रियों को आसानी होगी, जो इंदौर से साल में एक बार होने वाली रथयात्रा में शामिल होने जाते है। भुवनेश्वर भी एक बड़ा व्यापारिक केंद्र है। इंदौर के व्यापारी वर्ग को भी नई उड़ान का फायदा मिलेगा।

नए विंटर शेड्यूल में इंदौर को कोलकता और दिल्ली के लिए भी नई उड़ान 15 दिसंबर के बाद शुरू होने जा रही है। कोलकता के लिए एक अन्य कंपनी भी उड़ान शुरू कर रही है। इंदौर से

पत्थर मारकर मजदूर की हत्या, रिश्तेदारों को तलाश रही पुलिस

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के परदेशीपुरा इलाके में शुक्रवार सुबह एक मजदूर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव नंदीग्राम में कलाली के पास एनटीसी ग्राउंड पर पड़ा हुआ था और पास में खून से सना हुआ एक पत्थर मिला। पुलिस ने आशंका जताई है कि मृतक की हत्या उसी पत्थर से की गई हो सकती है। मृतक की उम्र लगभग 35 साल बताई जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। मृतक के हाथ पर कमलेश नाम गुदा हुआ था, जिससे पुलिस यह कयास लगा रही है कि मृतक का नाम कमलेश हो सकता है लेकिन इस बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिली है। मृतक के पास कपड़े या पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं मिले हैं और न ही उसके साथ कोई वाहन था, जिससे पुलिस को पहचान में मदद मिल सकी। पुलिस और एफएसएल टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि रात के समय मृतक ने किसी व्यक्ति के साथ शराब पी होगी और उसके बाद विवाद होने पर उसकी हत्या कर दी गई होगी। घटनास्थल के पास कलाली क्षेत्र होने के कारण यह भी माना जा रहा है कि हत्या शराब पीने के बाद किसी विवाद के चलते हुई हो सकती है। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा गया है, और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और हत्यारे की तलाश जारी है। घटनास्थल पर पुलिस की मौजूदगी और एफएसएल टीम की जांच से मामले को सुलझाने के लिए त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन फिलहाल मृतक की पहचान और हत्यारों के बारे में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है।

नाबालिग लड़की से अभद्रता करने पर दो सगे भाइयों के खिलाफ केस

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के लसूडिया में हिंदू जागरण मंच के लोगों ने दो सगे भाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दोनों पर नाबालिग लड़की से अभद्रता, उसके भाई व मां से मारपीट कर मकान बेचने का दबाव बनाने का आरोप है। पीड़िता के मुताबिक आरोपी कुछ समय पहले ही घर के पीछे वाले मकान में रहने आए हैं। दोनों आए दिन महिला और उसके परिवार को धमकाते हैं। गुरुवार रात इस बात को लेकर उन्होंने विवाद किया। नाबालिग की सूचना पर हिंदू जागरण मंच के लोग वहां पहुंचे और महिला को थाने लेकर गए। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक स्कीम नंबर 78 में रहने वाली एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने दीन मोहम्मद और उसके भाई पर मारपीट,धमकी और अभद्रता के मामले में केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि उनके पति नहीं है। वह खुद का व्यापार करती हैं। आरोपियों ने कुछ माह पहले ही उनके घर के पीछे वाला मकान खरीदा है। आरोपी पीड़ित परिवार को आए दिन गालियां देते हैं। गुरुवार को घर के पिछले दरवाजे से वह निकलकर जा रही थी। तभी आरोपी ने धमकाया। बेटा-बेटी बीच में आए तो बेटे के साथ मारपीट कर बेटी से अभद्रता की। पीड़िता ने हिंदू जागरण मंच के लोगों से मदद मांगी। महिला ने बताया कि दीन मोहम्मद और उसका भाई मकान खाली कराने के लिए यह सब कर रहे हैं।

दो कांग्रेस नेताओं के निलंबन पर गरमाई राजनीति, प्रभारी ने आदेश पर लगाई रोक

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में यूथ कांग्रेस के दो पदाधिकारी पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमित पटेल और महू विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष गजेंद्र सिंह को प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा निलंबित किए जाने पर राजनीति गरमा गई है। निलंबित हुए नेता ने बड़े नेताओं के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराई तो यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी ने निलंबन आदेश पलटते हुए मामले की जांच के आदेश दिए है। इसके बाद प्रदेश यूथ कांग्रेस अध्यक्ष यादव जांच के घेरे में आ गए है। गत दिनों यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु चिब के स्वागत के दौरान पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े और प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र यादव के बीच विवाद हो गया था। इसके बाद यादव ने वानखेड़े समर्थक पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमित पटेल और महू विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष गजेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया था। पटेल ने कहा था कि वे विवाद में शामिल ही नहीं थे, इसके बावजूद उन्हें निलंबित कर दिया।

जीतू पटवारी भी सहमत नहीं थे
अमित की पत्नी दो नंबर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की पार्षद है। पटेल खाती समाज से आते है। उनके निलंबन से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी सहमत नहीं थे। मामला गरमाने के बाद यूथ कांग्रेस के मध्य प्रदेश प्रभारी शेष नारायण ओझा ने निलंबन पर रोक लगाते हुए मामले की जांच के लिए एक कमेटी गठित कर दी है। अब जांच की रिपोर्ट आने के बाद वरिष्ठ नेता फैसला लेंगे।

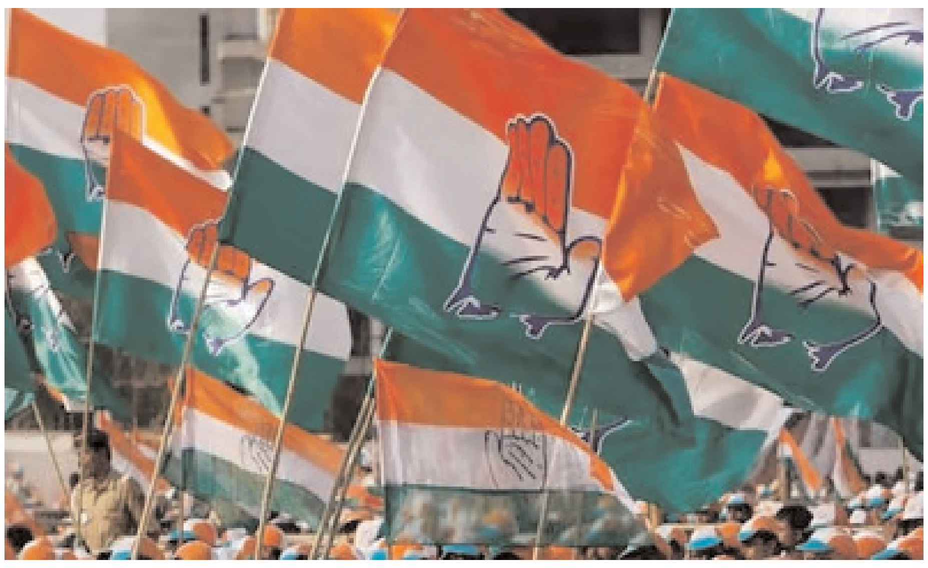

वानखेड़े अपनी कार में ले जाना चाहते थे भानु को
29 नवंबर को भानू चिब इंदौर आए थे। पूर्व विधायक वानखेड़े उनके साथ दिल्ली से आए थे।
भानू को शाजापुर में एक मशाल रैली में शामिल होने जाना था। वानखेड़े उन्हें अपनी कार में ले जाना चाहते थे, लेकिन यादव समर्थकों का कहना था कि प्रोटोकाल के तहत भानू को प्रदेश अध्यक्ष की कार में बैठना था। इस बात पर वानखेड़े और यादव गुट के समर्थक आपस में लड़ने लगे थे। मामले में इंदौर युवा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता अमित पटेल की सदस्यता सस्पेंड कर दी गई थी। अमित पटेल का कहना है कि जिस कांग्रेस नेता के साथ मारपीट हुई है, मैं तो खुद उन्हें बचाता हुआ वीडियो में नजर आ रहा हूं। वे देवास के नेता हैं और मेरे अच्छे दोस्त हैं।

हो सकता है कि कुछ दूसरे लोगों को बचाने के लिए ये पत्र जारी किया गया हो। मैं एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और कांग्रेस में किसी पद पर नहीं हूं। मेरी पत्नी पार्षद हैं। बस मैं पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता हूं। इंदौर शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष की दावेदारी जरूर कर रहा हूं।

विधानसभा घेराव को लेकर कांग्रेस तैयारी में जुटी, आज होंगी तीन बैठकें

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार के 1 साल पूरे होने पर प्रदेश कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को प्रदेश व्यापी विधानसभा घेराव करेगी। इसके लिए पहले से रणनीति तैयार की जा रही है। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल में तीन अलग-अलग बैठकें आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में आंदोलन को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी। यहां पीसीसी चीफ जीतू पटवारी पदाधिकारी के साथ रणनीति बनाएंगे। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार विंध्य दौरे पर हैं और वहां कार्यकताओं के बीच इस आंदोलन की जानकारी देंगे। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि विधानसभा घेराव की रणनीति एवं तैयारियों पर चर्चा के लिए पहली बैठक पूर्वान्ह 11:30 बजे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ होगी, जिसमें

विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रभारी जेपी धनोपिया भी उपस्थिति रहेंगे। सिंह ने बताया कि वहीं दूसरी बैठक दोपहर 12 बजे से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मुख्य आतिथ्य और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सहप्रभारी संजय दत्त की उपस्थिति में आहूत होगी। उक्त बैठक में अभा कांग्रेस द्वारा दत्त को मप्र प्रदेश में सौंपे गये संगठनात्मक जिलों के जिला प्रभारियों और सहप्रभारियों को आमंत्रित किया गया है। सिंह ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के मुख्य आतिथ्य में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में अपरान्ह 3 बजे से आयोजित होने वाली तीसरी बैठक में भोपाल के कांग्रेस पक्ष के पार्षद एवं पार्षद प्रत्याशियों को आमंत्रित किया गया है। सिंह ने बताया कि उक्त बैठकों में आगामी 16 दिसंबर को कांग्रेस पार्टी के आव्हान पर भाजपा सरकार के खिलाफ आयोजित विधानसभा घेराव कार्यक्रम की रणनीति एवं तैयारियों पर चर्चा की जायेगी।

बांग्लादेश के मामले पर कांग्रेस का स्टैंड क्लियर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर मध्यप्रदेश में पिछले दिनों जमकर विरोध प्रदर्शन हुआ है। इस मामले को लेकर मध्य् प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बड़ा बयान दिया है। सिंघार ने कहा है कि कांग्रेस पूरी तरह सरकार के साथ है। बता दें कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। धर्म गुरुओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। इस बात से पूरी दुनिया का हिंदू गुस्से में है। नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने भी वर्तमान स्थितियों पर चिंता जताई है। सिंघार ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर में लगाए जाने वाले अखंड भारत के नक्शे में बांग्लादेश को अपना हिस्सा बताया जाता है। आरएसएस और बीजेपी बांग्लादेश को अपना हिस्सा मानती है, तो यहां प्रदर्शन करने से क्या होगा। अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के मामले में आरएसएस और भाजपा चुप क्यों हैं।

चलो बांग्लादेश चलते हैं...

सिंघार ने कहा कि कांग्रेस बांग्लादेश के मामले में सरकार के साथ है और हम कहते हैं चलो बांग?लादेश चलते हैं। मोदी जी बांग्लादेश के लिए प्लेन तैयार करें, कांग्रेस साथ है। मध्य प्रदेश सरकार के अंदर चल रही खींचतान की चचाओं पर तंज कसते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जब से मोहन यादव मुख्यमंत्री बने हैं और सरकार बनी है, तभी से उठा पटक चल रही है। जो मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे, वह असंतुष्ट हैं। राज्य सरकार का बड़ा बजट मुख्यमंत्री अपने गृह जिले उज्जैन ले जा रहे हैं। शेष प्रदेश की जनता की बात नहीं करना चाहते। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय परेशान हैं, क्योंकि उनका मास्टर प्लान अमल में नहीं आ पा रहा है। यह इंदौर की जनता के साथ खिलवाड़ है। आपसी असंतोष का प्रमाण है कि विजयवर्गीय लंबे समय बाद कैबिनेट की बैठक में गए। राज्य में मोहन यादव के नेतृत्व में बनी सरकार को एक साल पूरा हो गया है। नेता प्रतिपक्ष ने मांग की है कि सरकार की ओर से इस एक साल की गतिविधियों पर श्वेत पत्र लाया जाए। श्वेत पत्र में बताया जाए कि बीते एक साल में सरकार ने जो वादे किए थे, उन पर कितना अमल हुआ है।

फार्मेसी के छात्रों का 6 माह से नहीं हो रहा पंजीयन

डिप्टी सीएम से हुई शिकायत,एबीवीपी ने आंदोलन की दी चेतावनी

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल में पिछले 6 महीने से विद्यार्थियों का पंजीयन नहीं होने का आरोप लगा है। इसे लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मध्य प्रदेश फामेर्सी काउंसिल के अध्यक्ष के माध्यम से डिप्टी सीएम और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अध्यक्ष के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल में पिछले 6 महीनों से रुकी हुई पंजीयन प्रक्रिया को तत्काल शुरू करने की मांग की गई है। शिकायतकर्ताओं ने कहा है कि काउंसिल जल्द ही अनियमितताओं का समाधान नहीं करती है, तो एबीवीपी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश फार्मेसी काउंसिल में पंजीयन प्रक्रिया पिछले 6 महीनों से बंद है। इसके चलते हजारों छात्र सरकारी भर्तियों और व्यावसायिक अवसरों से वंचित हो रहे हैं।

छात्रों का भविष्य असुरक्षित

पंजीयन न होने के कारण छात्रों का भविष्य असुरक्षित हो गया है। एबीवीपी ने मांग की है कि लंबित पंजीयनों को तुरंत शुरू कर, सभी छात्रों को अगले एक महीने के भीतर पंजीयन प्रदान किया जाए। नए पंजीयन के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाए, ताकि सभी छात्र उसमें भाग ले सकें। मध्य प्रदेश स्टेट फामेर्सी काउंसिल की ओर से अधिसूचना जारी की जाए, जिसमें पंजीयन प्रक्रिया के संबंध में स्पष्ट और संतोषजनक जानकारी प्रदान की जाए एवं पहले से आवेदन कर चुके छात्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए।

छात्रों की समस्याओं का करें समाधान

फार्माविजन राष्ट्रीय संयोजक अनिकेत शेलके ने कहा कि इस मामले पर पीसीआई और मध्य प्रदेश सरकार को तत्काल ध्यान देकर छात्रों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। पंजीयन प्रक्रिया शुरू न होने के कारण छात्रों के व्यावसायिक और सरकारी अवसर प्रभावित हो रहे हैं। एबीवीपी भोपाल महानगर मंत्री शिवम जाट ने कहा कि पिछले 6 महीने से फामेर्सी काउंसिल का काम पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है। न तो नए पंजीयन हो रहे हैं और न ही पुराने पंजीयन का नवीनीकरण हो रहा है। इससे हजारों छात्र सरकारी अस्पतालों की फार्मासिस्ट भर्ती में भाग नहीं ले पा रहे हैं।

समाधान नहीं हुआ तो होगा उग्र आंदोलन

यदि काउंसिल जल्द ही अनियमितताओं का समाधान नहीं करती है, तो एबीवीपी उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी एबीवीपी ने ज्ञापन के माध्यम से स्पष्ट किया है कि छात्रों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए पंजीयन प्रक्रिया को तुरंत शुरू करना आवश्यक है। संगठन ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ का प्रदर्शन 16-17 को

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। कोरोना काल में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था संभालने वाले 4 हजार कोरोना योद्धा संविदा नियुक्ति की मांग को लेकर 16 व 17 दिसंबर को मुख्यमंत्री निवास और विधानसभा का घेराव करेंगे। कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ मध्य प्रदेश ने प्रदर्शन का आव्हान किया है। संघ के प्रदेश संयोजक डॉ.अंकित असाटी बताते हैं कि कोरोना के दौरान मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था इन्हीं योद्धाओं ने संभाली थी। करीब 2 साल काम कराया और जब हालात पूरी तरह से ठीक हो गए हैं, तो सरकार इन योद्धाओं को पूछ नहीं रही है। ये योद्धा आज रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। ये कई बार मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री (स्वास्थ्य मंत्री) के समक्ष अपनी मांगें रख चुके हैं,पर कोई सुनने वाला नहीं है। मुख्यमंत्री से कई बार मिलने का समय भी मांगा, वह भी नहीं मिला। सरकार कोरोना योद्धाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। आयुष चिकित्सक, दंत चिकित्सक, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, साइंटिस्ट सहित अन्य सभी पैरामेडिकल चिकित्सकीय दल शामिल है। इन्होंने कोरोना काल में फीवर क्लीनिक, कोविड केयर सेंटर, कोविड आईसीयू, कोविड सेंपलिंग, कोविड टीकाकरण सहित अन्य कार्य किए थे।

इलेक्ट्रिक रॉड से पानी गर्म करते समय करंट लगा, महिला की मौत

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। भोपाल के हनुमान गंज थाना क्षेत्र में एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। महिला ने इलेक्ट्रिक रॉड से पानी गर्म करने के लिए लगाया था। रॉड निकालते समय वो स्विच ऑफ करना भूल गई। शुक्रवार को हनुमान गंज थाना पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों के मुताबिक, दवा बाजार स्थित न्यू लेबर कॉलोनी निवासी सपना चौरसिया (35) पति रितेश चौरसिया गुरुवार को घर में अकेली थी। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रिकल रॉड से पानी गर्म करने के लिए लगाया। लेकिन लापरवाही के चलते रॉड निकालते समय स्विच ऑफ करना भूल गई। जिससे उनका हाथ रॉड से चिपक गया। झटका लगते ही रॉड उछल कर गले से चिपक गई। परिजनों ने बताया कि सपना ने अंदर से घर बंद कर रखा था। इस दौरान बेटी घर पहुंची तो दरवाजा नहीं खुला। जिस पर बच्ची ने बगल में ही रहने वाली अपनी बुआ को इस बारे में बताया। बुआ ने महिला के पति रितेश को सूचना दी। जिसके बाद परिजन पीछे के रास्ते से घर में घुसे, तो अंदर सपना मृत अवस्था में मिली। उसका हाथ और गला बुरी तरह से जल गया था। मामले की सूचना हनुमान गंज थाने को दी गई। सपना और रितेश की शादी 8 साल पहले हुई थी। उनकी 6 साल की बच्ची है। पति रितेश मार्केटिंग का काम करते हैं। सपना हाऊस वाइफ है। मां की मौत के बाद बच्ची का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं परिजनों में शोक की लहर है।

हमीदिया में बढ़ रही बदमाशों की दहशत डॉक्टर की कार में तोडफोड़

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया में जहां एक तरफ दलाल सक्रिय है वहीं दूसरी तरफ बदमाश अस्पताल परिसर के पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ और चोरियां को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जूनियर डॉक्टर की गाड़ी में तोड़फोड़ कर गाड़ी में रखे सामान की चोरी की गई।

हमीदिया अस्पताल के पार्किंग में खड़ी एक डॉक्टर की कार का कांच फोड़कर बदमाशों ने नुकसान पहुंचाया और पांच हजार रुपए नकदी तथा अन्य दस्तावेज चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी और तोडफोड़ का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक डॉ. सतीश मौर्या मूलतः विदिशा के रहने वाले हैं। वह गांधी मेडिकल कालेज में पीजी सेकेण्ड इयर की पढ़ाई कर रहे थे। सतीश ने अपनी कार ओल्ड गेस्ट हाउस के पास डॉक्टरों की पार्किंग में खड़ी की थी। दो दिन बाद वह कार के पास पहुंचे तो कार का फ्रंट ग्लास, विंडो ग्लास टूटा मिला और स्टेरिंग भी क्षतिग्रस्त था। कार में रखे दस्तावेज और एक हैंडबैग में जिसमें पांच हजार रुपये नकद रखे हुए थे, वह चोरी हो चुका था। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ तोडफोड़ कर चोरी करने का मामला दर्ज कर लिया है।

15 साल की नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के आरोपी को भेजा जेल

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। बजरिया थाना क्षेत्र में एक 15 साल की नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पड़ोस में ही रहने वाला युवक नाबालिग को परेशान कर रहा था। बजरिया थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी पर कार्रवाई की है। आरोपी को शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। बजरिया थाना पुलिस के मुताबिक, नाबालिग बुधवार को घर के पास ही किसी काम से जा रही थी। इस दौरान आरोपी युवक बाइक से आया और लड़की से छेड़छाड़ करने लगा। नाबालिग ने जब विरोध किया तो आरोपी ने उसे अपशब्द कहे और वहां से भाग गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी, नाबालिग को पहले भी कई बार परेशान कर चुका है। नाबालिग ने डर के कारण इसकी जानकारी किसी को नहीं दी थी। लेकिन इस बार जब आरोपी ने छेड़छाड़ की तो नाबालिग ने घर आकर परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजनों की शिकायत पर गुरुवार को आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर हुआ संविधान का अखंड पाठ

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी में पहली बार संविधान का अखंड पाठ किया गया। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) के मौके पर भोपाल के सेकेंड स्टाप स्थित अंबेडकर जयंती मैदान पर शुक्रवार सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक अखंड संविधान पाठ किया गया। कार्यक्रम के संयोजक मिलिंद बौद्ध ने दैनिक भास्कर को बताया कि भोपाल में पहली बार ही ऐसा हो रहा है कि संविधान का अखंड पाठ किया जा रहा है। अभी तक संविधान का अखंड पाठ कभी नहीं हुआ। यह संविधान का हीरक जयंती वर्ष है संविधान लागू हुए 75 साल पूरे हो गए हैं। इसी उपलक्ष्य में

भोपाल के लोगों ने यह सोचा। पूरे प्रदेश में नहीं बल्कि पूरे देश में ऐसा होना चाहिए। गली-मोहल्लों, स्कूलों से लेकर मस्जिदों, मंदिरों, गुरुद्वारों में संविधान का पाठ होना चाहिए। हमारे संविधान के प्राइम्बल में आता है कि वी द पीपुल ऑफ इंडिया हम संविधान लागू करेंगे और उसे आत्म अर्पित करेंगे। लोगों को यह मालूम तो हो कि वह है क्या? मिलिंद बौद्ध ने कहा कि लोगों को संविधान के बारे में जानना चाहिए इसलिए हमने यह शुरूआत की है। भोपाल के जयंती मैदान से हमने आज यहां अखंड पाठ की शुरूआत की है। हम आगे ऐसे पाठ हर मोहल्ले में करेंगे। ऐसे आयोजन 26 जनवरी तक यह चलेंगे। 26 जनवरी को बाबा साहब हीरक जयंती वर्ष समाप्त हो रहा है। उसी दिन हम बड़ा कार्यक्रम इस मैदान में करेंगे। उसमें हम सभी धर्म के अनुयायियों को धर्म गुरुओं को आमंत्रित करेंगे कि संविधान में हमें क्या दिया है? इस देश को क्या दिया है? तो 75 साल का लेखा-जोखा हम यहां रखेंगे। समापन समारोह में बड़ी संख्या में लोग यहां मौजूद रहेंगे।

जन-जन तक संविधान पहुंचे

मिलिंद बौद्ध ने कहा कि इसका उद्देश्य यही है कि जन-जन तक संविधान पहुंचे संविधान की बातें पहुंचे और लोग संविधान को पढ़ें अपने धर्म ग्रंथों को खूब पढ़ें। लेकिन एक बार संविधान को भी जरूर पढ़ कर देखें। जब संविधान पढ़ कर देख लेंगे तो इस देश में क्या हो रहा है वह और सही ढंग से होने लगेगा। जो हो रहा है वह तो होगा लेकिन, उससे अच्छा होगा बेहतर होगा यही उम्मीद हम करते हैं।

कार्यक्रम में संविधान के अखंड पाठ में शामिल हुई संघमित्रा खैरनार ने कहा- हमारे मन में इसलिए विचार आया कि संविधान घर-घर पहुंचना चाहिए और जैसे मई-जून में बच्चों की छुट्टियां होती हैं। अप्रैल से छुट्टियां लग जाती हैं। जैसे लोग बच्चों को दूसरी कोचिंग्स करवाते हैं, दूसरे लैंग्वेज की कोचिंग कराते हैं। हमारे बच्चों को सारा नॉलेज होना चाहिए। लेकिन यह भी होना चाहिए कि संविधान के बारे में सबको को पता हो। बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों सबको संविधान की जानकारी होनी चाहिए। आज अखंड पाठ का मतलब यह है कि संविधान शुरू से लेकर आखिरी तक पढ़ा जाए। जन जन तक संविधान को हम पहुंचाना चाहते हैं हमारा एक ही उद्देश्य है जो संविधान में राइट बाबा साहब ने दिए हैं खासकर महिलाओं के लिए वह महिलाओं को समझना चाहिए महिलाओं को जन आंदोलन में आना चाहिए।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी में विभाजन से मजबूत हुई भाजपा

भाजपा ने राजनीतिक चतुराई से महाराष्ट्र की राजनीति को संचालित करने वाली शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन का लाभ उठाकर खुद को मजबूत स्थिति में ला दिया है। वहीं अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि सत्ता की चाबी किसी एक के हाथ में न रह सके। निस्संदेह, आज देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत कर ली है। बहरहाल, हकीकत यही है कि फडणवीस महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं। लेकिन इस बार उनके सामने पहले से ज्यादा चुनौतियां खड़ी हैं।

आखिरकार अनिश्चय व अटकलों पर विराम लगाते हुए गुरुवार को भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सत्ता का खेल देखिए पिछली पारी में फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे, वहीं इस बार पिछली बार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बने हैं। सत्ता का आंकड़ा पक्ष में न होते हुए भी शिंदे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विराम नहीं लगा पाए। तभी नवंबर में स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन को दिसंबर में सरकार बनानी पड़ी। चुनाव में तय हुए राजनीतिक कद से इतर शिंदे ज्यादा हासिल करने के प्रयास में सिर्फ शपथ ग्रहण समारोह को आगे ही बढ़ा सके। लेकिन दीवार पर लिखी इबारत स्पष्ट थी कि महायुति की प्रचंड जीत में शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा की सीटों के मुकाबले आधी सीटें भी हासिल नहीं कर पाया। फिर भी उनके समर्थक आस लगा रहे थे कि बिहार की तर्ज पर भाजपा फैसला लेगी, जिसमें भाजपा द्वारा ज्यादा सीटें हासिल करने पर भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन कुछ इंतजार के बाद भाजपा ने एकनाथ शिंदे को बता दिया कि सरकार के नाथ फडणवीस ही होंगे। जाहिर है भाजपा ने राजनीतिक चतुराई से महाराष्ट्र की राजनीति को संचालित करने वाली शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन का लाभ उठाकर खुद को मजबूत स्थिति में ला दिया है। वहीं अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि सत्ता की चाबी किसी एक के हाथ में न रह सके। निस्संदेह, आज देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत कर ली है। बहरहाल, हकीकत यही है कि फडणवीस महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं। लेकिन इस बार उनके सामने पहले से ज्यादा चुनौतियां खड़ी हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल अच्छा माना जाता है। राज्य के लोग उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हैं। हालांकि, फडणवीस जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उनके पास राज्य में प्रशासन चलाने का अनुभव नहीं था। लेकिन उन्होंने बखूबी सरकार चलाई। मगर पिछली बार भी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद उद्धव ठाकरे की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते वे मुख्यमंत्री बनने से वंचित रह गए। बल्कि कालांतर उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद संभालना पड़ा। लेकिन उन्होंने भाजपा आलाकमान के फैसले को सहजता से स्वीकार किया। जिसका लाभ उन्हें इस बार मिला, जब पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्राकृतिक रूप से मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना। उनकी सफलता के पीछे पहले कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्य भी रहे हैं। जिसमें किसानों के जल संकट को दूर करने वाली जलयुक्त शिविर योजना, मुंबई-नागपुर को जोड़ने वाली पचपन हजार करोड़ की एक्सप्रेस परियोजना व मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से भाजपा के जनाधार को बढ़ाने वाला बताया जाता है। लेकिन आज राज्य की आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं रही। राजकोषीय घाटे को लेकर चिंताएं हैं। बेरोजगारी बड़ी समस्या है। पूंजीगत खर्चों में कमी आई है तो राजस्व भी घटा है। वहीं आने वाले दिनों में मराठा आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर आ सकता है। हालिया विधानसभा चुनाव में जमीन खिसकने से आहत मराठा क्षत्रप इस मुहिम को हवा दे सकते हैं। वहीं ओबीसी वर्ग को फिक्र है कि कहीं उनके हिस्से का आरक्षण मराठाओं को न दे दिया जाए। महायुति गठबंधन ने मराठा आंदोलनकारियों को राहत देने का आश्वासन दिया है।

सुखबीर बादल पर हमले के तार और सियासत

सुखबीर बादल को उस समय मारने की कोशिश की गई जिस समय वे अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सेवादार की भूमिका निभा रहे थे। बादल परिवार देश विरोधी ताकतों के निशाने पर रहा है, यह सब जानते हैं। उसके पिता प्रकाश सिंह बादल लंबे अरसे तक पंजाब के मुख्यमंत्री रहे हैं। एक समय उन्हें फख्र-ए-कौम के खिताब से निवाजा गया था, लेकिन कुछ दिन पहले जब सुखबीर बादल को सेवादार व कुछ अन्य सजाएं सुनाई गई थीं तो उसी समय उनके स्वर्गीय पिता प्रकाश सिंह से फख्र-ए-कौम का खिताब भी वापस ले लिया गया था।

सुखबीर बादल को उस समय मारने की कोशिश की गई जिस समय वे अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सेवादार की भूमिका निभा रहे थे। बादल परिवार देश विरोधी ताकतों के निशाने पर रहा है, यह सब जानते हैं। उसके पिता प्रकाश सिंह बादल लंबे अरसे तक पंजाब के मुख्यमंत्री रहे हैं। एक समय उन्हें फख्र-ए-कौम के खिताब से निवाजा गया था, लेकिन कुछ दिन पहले जब सुखबीर बादल को सेवादार व कुछ अन्य सजाएं सुनाई गई थीं तो उसी समय उनके स्वर्गीय पिता प्रकाश सिंह से फख्र-ए-कौम का खिताब भी वापस ले लिया गया था। सुखबीर बादल के साथ अकाली दल से ताल्लुक रखने वाले कुछ अन्य लोगों को भी विभिन्न प्रकार की सजाएं दी गईं। मसलन स्वर्ण मंदिर में चल रहे लंगर में बर्तन साफ करना, शौचालयों की सफाई करना, सेवादार का काम करना इत्यादि। ये सजाएं इन सभी को पंजाब में अकाली दल की सरकार के समय लिए गए कुछेक फैसलों को लेकर दी गई हैं। अकाली दल के हाथ से 2017 में पंजाब की सत्ता खिसक गई थी। उसके बाद से अकाली दल फूट का शिकार हो गया और सत्ता खिसक जाने के कारणों पर भी चिंतन-मनन होता गया और अब भी हो रहा है।

जाहिर है चिन्तन-मनन पार्टी के भीतर ही नहीं, बाहर भी होता रहा। सब जानते हैं कि पार्टी के बाहर इस प्रकार की माथापच्ची करने वालों को आज की भाषा में थिंक टैंक कहा जाता है। पार्टी के भीतर हार के क्या कारण स्वीकार किए गए, यह तो पार्टी ही बेहतर जानती होगी, लेकिन बाहर के थिंक टैंकों ने यह स्थापित कर दिया कि हार का मुख्य कारण अकाली दल की सरकार के समय पंजाब में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी की बेअदबी की कुछ घटनाएं हैं। जाहिर है इसकी जिम्मेदारी प्रकाश सिंह बादल और उनके सुपुत्र सुखबीर बादल के खाते में ही आतीं क्योंकि बड़े बादल साहिब मुख्यमंत्री थे और छोटे बादल साहिब उप मुख्यमंत्री थे। इतना ही नहीं पार्टी के प्रधान की कुर्सी भी पिता-पुत्र के बीच ही रही थी। जब एक बार यह अवधारणा स्थापित हो गई कि बेअदबी के जिम्मेदार प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से 'बादल' ही हैं तो पंजाब में प्रत्येक राजनीतिक दल चुनाव में इस बात की घोषणा करने लगा कि यदि वह जीत गया तो सबसे पहले बेअदबी के लिए उत्तरदायी इन लोगों को सजा दिलाएगा। उन दिनों में पंजाब के आला पुलिस अफसर कुंवर विजय प्रताप सिंह (मूलतः बिहार या उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं), जो आजकल पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक हैं, का कहना है कि जिन आरोपों के कारण सुखबीर बादल को आज सजा सुनाई गई है, उन सब का जिक्र मैंने अपनी रिपोर्ट में किया था। दरअसल जिन दिनों कांग्रेस के कैप्टन अमरेन्द्र सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री थे, उन्होंने बेअदबी के मामले को लेकर कुंवर विजय प्रताप को जांच का जिम्मा सौंपा था। कुंवर का कहना है कि मेरे बार-बार कहने पर भी कैप्टन ने उस रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं की। कुंवर ने इसको आधार बना कर अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और पंजाब की राजनीति में छलांग लगा दी थी। सारी उम्र पुलिस में खपा देने के कारण पंजाब की हवा को सूंघने व थोड़ा बहुत बदल देने योग्य हो ही गए थे। अपनी इसी महारत के चलते वे आम आदमी पार्टी में चले गए और विधायक भी बन गए। लेकिन अपनी रिपोर्ट को अहमियत न मिलने को लेकर बराबर रोते रहे। उनका मानना है कि कैप्टन की तर्ज पर भगवन्त मान भी उनकी रपट पर कार्रवाई नहीं कर रहे थे। अब जब सुखबीर बादल को सजा सुना दी गई, तो कुंवर विजय प्रताप सिंह का कहना है कि यह सब बातें मेरी रपट में हैं। लेकिन आश्चर्य की बात है कि आला पुलिस अधिकारी होते हुए भी विजय प्रताप सिंह सुखबीर बादल पर हमले के मामले में आश्चर्यजनक तरीके से मौन हैं। सजा मिलने के बाद यह तो स्पष्ट हो गया था कि अब सुखबीर बादल एक सेवादार के रूप में स्वर्ण मंदिर के द्वार पर बैठेंगे। लेकिन केवल दो दिन के लिए ही वे वहां बैठेंगे, यह भी स्पष्ट था। उससे भी ज्यादा यह भी स्पष्ट था कि वहां आने वाले श्रद्धालुओं की तलाशी नहीं ली जाती। शायद इससे आसान अवसर व स्थान सुखबीर बादल की हत्या के लिए नहीं हो सकता था। यह साधारण सी बात, असाधारण काम करने वाली पंजाब पुलिस के वे चंद अधिकारी भी जानते ही होंगे जो इस प्रकार की घटनाओं को भांप कर रणनीति बनाते हैं। ऐसे अवसरों पर रणनीति प्रायः यह होती है कि किसी भी प्रकार से हत्यारे को उसके शिकार के पास आने से रोका जाए। कहा जा रहा है कि हमला करने वाला एक दिन पहले उस स्थान की रैकी करने भी आया था। ऐसा भी नहीं कि हमला करने वाला व्यक्ति कोई अज्ञात व्यक्ति हो। उस पर पहले से ही इस प्रकार के मामलों में अनेक मुकद्दमे चल रहे हैं। वह किसी अन्य प्रान्त से भी नहीं आया था। अमृतसर के पास डेरा बाबा नानक में ही रहता है। आम तौर पर जब किसी अति सुरक्षित व्यक्ति की सुरक्षा की व्यवस्था उस समय करनी हो जब उसे किन्हीं भी कारणों से ओपन स्पेस में बैठना हो तो पुलिस उस इलाके में रहने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखती है, ताकि वह अपने शिकार के नजदीक न फडकने पाए। सुखबीर बादल दो दिन इसी प्रकार की स्थिति में आने वाले थे।

ऐसे हालात में पंजाब पुलिस के उन चंद गिने चुने वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरक्षा की ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं की? अलबत्ता पुलिस ने बहुत ही शातिराना तरीके से पूरी जांच और घटना को लेकर एक और ही नैरेटिव गढ़ने की कोशिश की है। एक पत्रकार ने पूछा, क्या यह नहीं हो सकता हमदर्दी हासिल करने के लिए स्वयं ही हमला करवाया गया हो? पुलिस के अधिकारियों ने तुरन्त इस वांछित सवाल को हाथों हाथ पकड़ लिया। भगवन्त मान के मन में क्या चल रहा है, यह तो वे ही जानते होंगे। पुलिस सारा मामला किस ओर ले जाना चाहती है, इसका संकेत उसने दे ही दिया है। अलबत्ता पुलिस ने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश जरूर की है कि उसके एएसआई ने ही हमलावर का हाथ झटक कर गोली का रुख सुखबीर बादल की ओर से दीवार की ओर मोड़ दिया। मामला केवल चार सेकेंड का ही था। विक्रम सिंह मजीठिया ने स्पष्ट कर दिया कि वह एएसआई पिछले बाईस साल से बादल परिवार की सुरक्षा में तैनात है और अब परिवार के सदस्य की तरह ही है। पुलिस को सफलता का श्रेय तब दिया जा सकता था यदि हमलावर को बादल के पास पहुंचने से पहले ही पकड़ लिया गया होता। अलगाववादियों के मन में क्या चल रहा है, अब इसको समझने के लिए तो शोध करने की जरूरत नहीं है। हमलावर के परिवार के साथ एक बड़े कांग्रेस नेता के संबंधों की बात भी पंजाब में चर्चा बनी हुई है। आम आदमी पार्टी को अपनी सफों की एक बार जांच करनी चाहिए। सब जानते हैं कि 2017 में उसकी सफों में से ऐसा बहुत सा अवांछित सामान निकल आया था। पंजाब को फिर आतंकवाद की ओर जाने से रोकना होगा।

इस बीच सुखबीर सिंह बादल पर हुए जानलेवा हमले ने एक नया मोड़ ले लिया है। हमले से पहले का एक वीडियो सामने आया है जिसमें हमलावर नारायण सिंह चौड़ा और अमृतसर के एसपी हरपाल सिंह बातचीत करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो ने पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े कर दिए हैं और मामले में साजिश के आरोपों को हवा दी है। यह वीडियो हमले से एक दिन पहले, 3 दिसंबर का बताया जा रहा है। इसमें स्वर्ण मंदिर परिसर में नारायण सिंह और एसपी हरपाल सिंह के बीच करीब 67 सेकेंड की बातचीत होती है। वीडियो में दिखता है कि एसपी, हमलावर से गर्मजोशी से मिलते हैं, कुछ देते हुए नजर आते हैं, और फिर दोनों मुस्कुराते हुए बात करते हैं। इस बातचीत के बाद नारायण सिंह पीछे हट जाता है और एसपी वहां से लौट जाते हैं।

शिरोमणि अकाली दल के सीनियर नेता बिक्रम मजीठिया ने इस वीडियो को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पूछा कि सुखबीर बादल की सुरक्षा के लिए तैनात एसपी, हमलावर से मिलकर क्या बातचीत कर रहे थे। मजीठिया ने सोशल मीडिया पर यह वीडियो शेयर करते हुए पुलिस पर साजिश का आरोप लगाया। बिक्रम मजीठिया ने कहा कि जिसे अरेस्ट करना चाहिए था, पुलिस उससे मुलाकात कर रही थी।

हमलावर और एसपी की मुलाकात का यह वीडियो कई अनसुलझे सवाल छोड़ता है। क्या यह केवल संयोग है, या इसमें कोई गहरी साजिश छुपी है? पुलिस की भूमिका पर उठ रहे सवालों का जवाब अभी आना बाकी है। वहीं, विपक्ष इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर निशाना साध रहा है। सुखबीर बादल की सुरक्षा और मामले की जांच पर सभी की नजरें टिकी हैं।

खेल परिणामों को सुविधाएं भी उत्तम चाहिए

आज के ओलंपिक खिलाड़ी भी शौकिया न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इस लिए छीन लिए गए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमरीकी डालर इनाम देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढ़िया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढ़िया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाड़ियों को मिले, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिएं। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है, तो कीमत बढ़िया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और समग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देख जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों।

जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं, वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं। इस स्तर पर अगर हिमाचल प्रदेश में घटिया खेल सामान न खरीद कर उच्च क्वालिटी का खेल सामान खरीदा होगा, तो स्तरीय खेल सुविधा होगी तो जहां जो खिलाड़ी प्रशिक्षण सुविधाओं के अभाव में खेल छोड़ देते हैं, वे अपने घर में रह कर खेल जारी रख सकते हैं। खेल सुविधाओं के लिए पलायन करने वालों को भी जब अपने ही राज्य में रह कर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करने के लिए सुविधा मिलेगी, तो वे फिर क्यों अपना प्रदेश छोड़ेंगे। बात चाहे शिक्षा निदेशालय की हो या किसी भी संस्थान की, अब हिमाचल प्रदेश में उचित मूल्य चुका कर घटिया किस्म का खेल सामान खरीद कर करोड़ों रुपए की बंदरबांट को बंद करके असली खेल सामान खरीद कर हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों व देश के गौरव पर तो कुछ दया करो।

सर्दियों में भारत आकर परिवार बढ़ाते हैं दुर्लभ फिश ईगल

एक समय था जब वैज्ञानिक यह मानते थे कि पलास फिश ईगल हिमालय के उत्तर में, विशेषकर मंगोलिया में प्रजनन करते हैं। यह अनुमान इतना गलत भी नहीं था क्योंकि अधिकांश प्रवासी पक्षी ठंड के मौसम में गर्म इलाकों की ओर बेहतर भोजन और संसाधनों की तलाश में उड़ते हैं न की प्रजनन के लिए। ऐसे पक्षियों में अमूर फाल्कन, साइबेरियाई सारस शामिल हैं। पलास फिश ईगल अक्टूबर से मार्च के बीच भारत, बांग्लादेश और भूटान में समय बिताते हैं और फिर मंगोलिया लौट जाते हैं, इसलिए यह मान लेना स्वाभाविक था कि अन्य प्रवासी प्रजातियों की तरह ये भी सर्दियों के महीनो में अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में भोजन के लिए आ रहे हैं। पर वैज्ञानिकों को तब अचरज हुआ जब 2005 के बाद किए गए दो अलग-अलग सर्वेक्षण से यह पता चला कि सदियों से प्रवास कर रहे ये खास मेहमान असल में भारत ही की पैदावार है। 900 से पहले, पलास फिश ईगल एशिया के एक बड़े हिस्से में आम थे, जो पश्चिम में कैस्पियन सागर से लेकर पूर्व में चीन तक और उत्तर में रूस से लेकर दक्षिण में भारत और म्यांमार तक फैला हुआ था। अब यह प्रजाति म्यांमार, रूस और कैस्पियन सागर क्षेत्र में विलुप्त हो चुकी है। अन्य फिश ईगल पक्षियों की तरह यह भी जीवन पर्यन्त एक जोड़ा बनाते हैं और हर साल एक ही घोंसले को सवांरते-सुधारते 1-3 अंडे देते हैं। ये विशालकाय घोंसले अकसर नदियों, धाराओं और नम-भूमियों के किनारो के पेड़ों पर बनाए जाते हैं जहां से आसानी से उनके मुख्य भोजन- मछली का शिकार किया जा सके।

जब वैज्ञानिकों ने मंगोलिया में 2005-2009 के बीच और फिर मंगोलिया और भारत में 2012-2015 के बीच दो अलग सर्वेक्षण किए तो उन्हें मंगोलिया में प्रजनन का कोई प्रमाण नहीं मिला। बल्कि दुर्गा, लचित, और चंगेज नाम के तीन पलास ईगल की पीठ पर जीपीएस ट्रैकर लगाकर वैज्ञानिकों ने पाया कि यह प्रजाति केवल उत्तरी भारत (मुख्य रूप से असम और उत्तराखंड में), और बांग्लादेश में प्रजनन करते हैं।

कजाकिस्तान, रूस और मंगोलिया में यह गैर-प्रजनन मौसम (मई से सितंबर) में रहते हैं। यानी हर साल ये जोड़े भारत आकर अपने वर्षों से उपयोग में लाए जा रहे घोंसले में नए जीवन को जन्म देते हैं। एक और अनोखी बात जो सामने आई वो ये कि ट्रैक किए गए पक्षियों ने 6,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर हिमालय के ऊपर से सीधे उड़ान भरी। पहले इस ऊंचाई का रिकॉर्ड केवल बार हेडेड गीज पक्षी के नाम ही दर्ज था जो आज भी 7000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर उड़कर अपने प्रवास के लिए आते-जाते हैं। पलास फिश ईगल ऊपर से गहरे भूरे रंग के होते हैं, जबकि पेट हल्के रंग का और सिर मैला-सा धूसर होता है। उड़ान के दौरान नीचे से देखने पर इनकी गहरी पूंछ पर चौड़ी सफेद पट्टी सबसे आकर्षक विशेषता होती है जिसके कारण इन्हें एक और नाम भी दिया गया हैं - बैंड-टेल्ड फिश ईगल। पानी की सतह से मछलियां पकड़ने के अलावा, ये जल पक्षियों जैसे बत्तख, हंस, कूट और डेमोइसल क्रेन का शिकार भी करते हैं, साथ ही बगुलों के घोंसले और प्रजनन स्थलों से युवा आईबिस, ओपनबिल, डार्टर और टर्न पक्षियों का भी शिकार करते हैं। इन भारी भरकम शिकारियों को वयस्क हंस और अपने वजन से दोगुनी बड़ी मछलियां उठाकर उड़ते हुए भी देखा गया है। ऑसप्रे जैसे पक्षियों से ये खाना झपटकर लेने में भी माहिर हैं। दुर्भाग्यवश अपनी अद्भुत शिकार क्षमता और अकल्पनीय मीलों की सालाना उड़ान की क्षमता के बावजूद आज दुनिया में केवल 1000-2499 पलास फिश ईगल ही शेष बचे हैं और इसी वजह से इन्हें लुप्तप्राय जीव-जंतुओं कि श्रेणी में रखा गया है। जो पक्षी हिमालय कि चोटी लांघकर भारत अपने वंश को आगे बढ़ाने आते हैं आज उनकी संख्या इसलिए कम होती जा रही है क्योंकि हम ऊंची इमारतों के जंगल बसाने में उनसे उनके झील, नम-भूमि, किनारों में लगे पेड़ और घोंसले छीन रहे हैं। आशा हैं आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए ये विलुप्तता कि कगार में खड़े पक्षी अपने जन्मभूमि में सुरक्षित रह पाएंगे।

4 गांजा तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

28 किलो गांजा और बोलेरो गाड़ी बरामद, ढाई लाख से अधिक है कीमत

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, जिले की माधव नगर पुलिस ने शातिर गांजा तस्करों के गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने इस दौरान चार तस्करों को गिरफ्तार किया है और इन लोगों के कब्जे से करीब साढे 28 किलो गांजा बरामद किया है। इस गांजे की कीमत करीब ढाई लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। माधव नगर थाना प्रभारी अनूप सिंह ठाकुर एवं उनकी टीम अमकुही पहाड़ी इंडस्ट्रियल एरिया में पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्ध अवस्था में बोलेरो क्रमांक स्ब्क-21-स्ष्ठ- 5555 बोलेरो गाड़ी पुलिस को दिखाई दी, जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसमें से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। इस दौरान गाड़ी से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें दो पुरुष और दो महिलाएं थी। संजय बरगाही 21 वर्ष, निवासी ग्राम पथरहटा,राजू उर्फ मंजल पारधी 19 वर्ष, निवासी ग्राम पथरहटा,राजनी पति मंजल 19 वर्ष , निवासी ग्राम पथरहटा, अंजलिया पति लावरसी 19 वर्ष,निवासी ग्राम पथरहटा, सभी थाना बरही। उनके कब्जे से 28 किलो 710 ग्राम गांजा और गांजा तस्करी में प्रयुक्त बुलेरो गाड़ी बरामद की गई। फिलहाल सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

गमगीन माहौल में नवीन कडौकर को नम आंखों से दि गई अंतिम विदाई

पोटिया पाट मोक्षधाम में अंतिम संस्कार...

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत ददिया निवासी नवीन कडौकर काअल्प आयु में निधन हो गया है ।जानकारी अनुसार वे 32वर्ष के थे अचानक ही तबीयत खराब होने से परिजनों ने गोंदिया के निजी हॉस्पिटल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया था उपचार दौरान ही 5 दिसंबर गुरुवार की सुबह 5:00 बजे दुःखद निधन हो गया। उनके निधन का समाचार सुनते ही सभी परिवारजन,ग्रामवासी,रिश्तेदारों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। स्वर्गीय नवीन कडौकर 32 वर्ष की आयु के थे,इनकी सदैव

सामाजिक,धार्मिक आयोजनों में भूमिका रहती थी। वे परिवार हित सामाजिक हित में युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत थे।स्वर्गीय श्री कडौकर सरल,सहज व मधुर स्वभाव के धनी तथा वे सदैव हंसमुख,मिलनसार,मृदुभाषी प्रवृत्ति के थे।अपने पीछे माता-पिता व पत्नी सहित समस्त नाते-रिश्तेदार, परिवारजन को छोड़कर स्वर्ग सिधार गए। जिनका अंतिम संस्कार 5 दिसंबर दिन गुरुवार सुबह 11 बजे स्थानीय मोक्षधाम ददिया वैनगंगा पोटिया पाठ में सभी परिवारजन,नाते-रिश्तेदार, चित-परिचित व समस्त ग्राम वासियों की उपस्थिति में हिंदू रिती रिवाज की परिपाठी में संपन्न किया गया।

शाजापुर में मनाया बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस किया गया फल वितरण एवं रक्त दान

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शहर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। यूथ ऑफ बलाई समाज कबीर फाउंडेशन शाजापुर के द्वारा बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर जिला चिकित्सालय ट्रामा सेंटर में मरीजों को फल वितरण एवं रक्तदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यूथ ऑफ बलाई समाज कबीर फाउंडेशन के अध्यक्ष दिलीपसिंह बामनिया, अनिल मालवीय, महेंद्र मोहन सोनी, रामचंद्र चौहान, टीआर सिसोदिया, डॉ मनोजकुमार पंचोली, डॉ नवीन झाला, रामकृष्ण पाटीदार, मुकेश सक्सेना, लोकेंद्र नायक के द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस मौके पर बामनिया ने कहा कि समाज में नशा गंभीर समस्या बन चुका है, इससे हम सबको मिलकर निपटना है, आज हम सब नशा मुक्त समाज का संकल्प लें। इस दौरान भर्ती मरीजों को समिति के द्वारा फल का वितरण किया गया। इसके उपरांत सिविल सर्जन डॉ एमके जोशी, बल्ड बैंक अधिकारी डॉ एसडी जायसवाल एवं वरिष्ठ लेब टेक्निशियन अरविंद बांसोड़ के द्वारा रक्तदान का कार्यक्रम सम्पन्न

कराया गया जिसमें संस्था के पदाधिकारी के द्वारा रक्तदान किया गया। इस अवसर पर सतीश राठौर, अजयसिंह चंदेल, पूर्व पार्षद राजेश पारछे, शुभम ठाकुर, पवन नायक, राधेश्याम मालवीय, गोकुलप्रसाद मालवीय, शिवनारायण धारिया, बद्रीप्रसाद सौराष्ट्रीय, बाबूलाल गोयल, कन्हैयालाल मालवीय, अमृतलाल मालवीय, नारायणसिंह मालवीय, अंबाराम राजोरिया, एडवोकेट अशोक मालवीय, देवेंद्र मालवीय, संतोष परिहार, संजय गिरजे, जितेन्द्र मालवीय, धर्मेंद्र मालवीय, जितेंद बमोरी, यश पिंकू मालवीय, सुनील मालवीय सहित समाजजन मौजूद थे।

माल्यार्पण कर बाबा साहब को किया याद स्थानीय लालघाटी स्थित अंबेडकर पार्क में भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए बाबा साहब को याद किया गया। शुक्रवार को अंबेडकर पार्क में भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर समाजसेवी राधेश्याम मालवीय ने कहा कि बाबा साहब ने देश में ऊंच-नीच के भेदभाव को खत्म करते हुए सबको समानता से जीवन जीने का अधिकार दिया। बाबा साहब की ही देन है कि आज भारत में सभी जाति, धर्म के लोग स्वतंत्रता के साथ अपने धर्मों का पालन कर रहे हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में बाबा साहब के अनुयायी मौजूद थे।

तिलावद में हुआ तीन दिवसीय गणगौर उत्सव का आयोजन

कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुति

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी जिला प्रशासन शाजापुर के सहयोग से पाटीदार धर्मशाला पटेल सेरी तिलावद गोविंद में तीन दिवसीय शिव-पार्वती के लोकरूपों एकाग्र गणगौर उत्सव आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 03 दिसंबर को अनीता कंवर एवं साथी अजमेर द्वारा चिरजा एवं माण्ड गायन की प्रस्तुति दी गई। इसी दिवस संजय महाजन तथा साथी बड़वाहा द्वारा गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान संस्कृति विभाग द्वारा तैयार कराई गई महादेव लीला नाट्य की प्रस्तुति शिरीष राजपुरोहित एवं साथी उज्जैन द्वारा दी गई। प्रस्तुति के माध्यम से संदेश दिया गया कि तुलसी के मानस को देखते हैं तो सबसे पहले कथावाचक महादेव ही हैं जो मां भगवती को श्रीराम के आख्यान को सुना रहे हैं। आगे दिखाया कि देवताओं को परेशान करने के लिए त्रिपुरासुर नामक राक्षस ने स्वर्ग पर कब्जा कर लिया थाए, उसके अत्याचारों से हर कोई परेशान हो गया था। ऐसे में हर

कोई चाहता था कि उसके आतंक से मुक्ति मिल जाए। भगवान शिव की आराधना की गई और फिर उन्होने त्रिपुरासुर का वध किया। इसी क्रम में समुद्र मंथन का आख्यान को दिखाया गया, जिसमें समुद्र मंथन से विष प्रकट होता है तो उसके पान करने के लिए भगवान शिव का ही स्मरण किया जाता है। अगर वह पान नहीं करते तो इस सृष्टि की कल्पना असंभव है जिसे कलाकारों ने बहुत ही खूबसूरत रूप में दिखाने की कोशिश की। उत्सव के दूसरे दिन ज्ञानसिंह शाक्य, साथी भिण्ड द्वारा लांगुरिया गायन, चेतनकुमार चन्द्रकान्त जेठवा, साथी गुजरात द्वारा गरबा नृत्य, अनुजा जोशी और उनके साथी खण्डवा द्वारा गणगौर नृत्य, अनिरूद्ध मिस्त्री पन्ना द्वारा सती लीला नाट्य की प्रस्तुति दी गई। वहीं अंतिम दिन लोककण्ठ अंतर्गत मालवी एवं निमाड़ी लोकगायन एकाग्र प्रस्तुति दी गई। रामदास साकल्ले एवं साथी हरसूद द्वारा काठी नृत्य, रचना तिवारी सागर द्वारा नौरता नृत्य, प्रशांत कुमार राउलो उड़ीसा द्वारा शंख ध्वनि, कुंता सदैया तेलंगाना द्वारा ओग्गु डोलु नृत्य, सुबोध प्रमाणिक रांची द्वारा पुरुलिया छाऊ नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

78वां होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर कार्यक्रम संपन्न

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, मुख्यालय होमगार्ड नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन मप्र के आदेशानुसार प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी होमगार्ड लाईन शाजापुर में शुक्रवार सुबह 9 बजे होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन सादगी पूर्ण किया गया। सर्वप्रथम प्लाटून कमाण्डर एवं होमगार्ड एसडीईआरएफ कमलेशसिंह हाड़ा के 02 प्लाटूनों के द्वारा यूनिट फ्लेग को सलामी दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त कम्पनी कमाण्डर मनोहरलाल शर्मा को आमंत्रित किया गया था। परेड द्वारा सलामी पश्चात् डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट ने महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, गृह सचिव भारत सरकार एवं डायरेक्टर जनरल होमगार्ड मप्र अरविन्द कुमार के द्वारा जारी संदेशों का वाचन किया। वहीं जिला इकाई के सैनिक 52 राजकुमार मेहता की पुत्री रिशिका मेहता को 10000 रुपये, सैनिक 26 चन्दरसिंह की पुत्री नेहा को 10000 रुपये एवं सैनिक 108 जगदीश रामटेके की पुत्री पूनम रामटेके को 25000 रुपये का चैक केन्द्रीय कल्याण निधि जबलपुर से उच्च शिक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने के फलस्वरूप उनके उत्साहवर्धन के लिए मुख्य अतिथि के द्वारा मंच से प्रदान किए गए। तत्पश्चात होमगार्ड के द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य आपदा प्रबंधन ड्यूटी में किए जा रहे बचाव कार्यों पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में होमगार्ड विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी अवध नारायण सक्सेना एसआईएम हवलदार अनुदेशक ब्रजभानसिंह सेंगर, कृष्णराव हाण्डे, भंवरलाल नाहटा, कैलाश गिरी कुक, प्लाटून कमाण्डर कमलेशसिंह हाड़ा, सैनिक नासीर अली, रोहित चक्रधर, रजत वर्मा सहित होमगार्ड जवान मौजूद थे।

माता जानकी ने किया प्रभु राम का वरण

शहर में निकली प्रभु श्रीराम की भव्य बारात, आतिशबाजी कर बारातियों ने मनाई अलौकिक विवाह की खुशियां

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, पांच दिसम्बर गुरुवार से शुरू हुआ दो दिवसीय श्रीराम जानकी विवाह महोत्सव 06 दिसम्बर शुक्रवार को विधि-विधान से धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ। अयोध्या धाम बने किला परिसर स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर से प्रभुश्री राम रथ में सवार हो बारातियों के संग जनक दुलारी को ब्याहने निकले। प्रभु श्रीराम की बारात में युवतियां, महिलाएं और युवाओं की टोलियां बाराती बन झूमते नाचते शहर की सडकों पर निकलीं, यहां से बारात प्राचीन श्रीराम मंदिर किला परिसर से विभिन्न मार्गों से होते हुए डांसी स्थित मंदिर पहुंची जहां माता सीता जी संग सात फेरे लेकर प्रभु श्रीराम जी ने ब्याह रचाया।

वर निकासी से पहले हुई महाआरती प्रभु श्री राम की बारात से पहले किला परिसर स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर में कलेक्टर ऋजु बाफना, एसपी यशपालसिंह राजपूत, नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक चौहान, तहसीलदार मधु नायक, पटवारी ललित कुंभकार, ललित पालीवाल, अनूप किरकिरे, गौरव सोनी सहित नगर के गणमान्य नागरिकों, प्रशासन के प्रतिनिधियों धार्मिक और सामाजिक संगठन के

कार्यकर्ताओं के साथ हजारों राम भक्तों की उपस्थिति में प्रभु श्रीराम की महाआरती हुई। इसके साथ ही श्रीराम मंदिर परिसर स्थित मंच पर अतिथियों का स्वागत किया गया। इसके बाद श्रीराम मंदिर में छप्पन भोग का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने श्रीराम मंदिर पहुंचकर छप्पन भोग के दर्शन किए।

शहर भर में हुआ स्वागत शहर में प्रभु श्री राम की बारात जिस ओर से भी निकली लोगों ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया। महिलाओं ने पूजा कर प्रभु का स्वागत किया। वहीं सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने मंचों से फूल बरसाए। इसके बाद डांसी हनुमान मंदिर में सीता रसोई का आयोजन किया गया।

यहां भी हुआ भव्य आयोजन शुक्रवार को नगर के प्राचीन श्रीराम काका साहब का मंदिर में भी श्रीराम एवं माता जानकी के विवाह का भव्य आयोजन किया गया। यहां भगवान श्रीराम को छप्पन भोग लगाए गए। इसके बाद श्रीराम जी की बारात निकाली गई, जो कंस चौराहा, सोमारिया बाजार, छोटा चौक, बड़ा चौक, नई सडक़, कृष्णा टॉकीज चौराहा, नाग नागिन रोड़ से सोमवारिया बाजार, बालवीर हनुमान मंदिर होते हुए पुनः राम मंदिर पहुंची। इसके बाद दशरथ नंदन श्रीराम और जनक दुलारी देवी जानकी का विवाह मंत्रोच्चार के साथ किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिला और पुरूष उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने की चकबंदी कार्यों की ग्रामवार समीक्षा

मानक के अनुरूप कार्य न करने पर सहायक चकबन्दी अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में चकबन्दी कार्यों की गहन समीक्षा ग्रामवार की गई।

जनपद सहारनपुर में कुल 26 ग्राम चकबन्दी प्रक्रियाधीन है। ग्राम कुलसठ में तरमीम/सर्वे के कार्य को मानक के अनुरूप पूर्ण न किये जाने के सम्बन्ध में सहायक चकबन्दी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किये जाने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा चकबन्दी प्रक्रियाधीन ग्रामों में मानक कारगुजारी के अनुरूप कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है। चकबन्दी अधिकारी द्वारा पुराने वादों का शीघ्रता से निस्तारण न किये जाने के कारण उन्हें सचेत किया गया। इसके अतिरिक्त बैठक में उपस्थित चकबन्दी प्राधिकारियों को पुराने वादों को शीघ्रता से निस्तारित किये जाने के भी निर्देश भी दिये गये है। बैठक में अशोक कुमार सिंह, उप संचालक चकबन्दी, ओमप्रकाश अंजोर, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी एवं सचेन्द्र बहादुर सिंह, चकबन्दी अधिकारी सहारनपुर/देवबन्द तथा नवागन्तुक चकबन्दी अधिकारी मुकेश कुमार प्रताप सिंह, चकबन्दी अधिकारी एवं सहायक चकबन्दी अधिकारीगण सर्व जरनैल सिंह, सुरेन्द्र कुमार सिंह व संन्दीप कुमार बालियान उपस्थित रहे।

डीएम-एसएसपी ने पुलिस चौकियों पर जाकर निरीक्षण करते हुए चौकी इंचार्ज से ली क्षेत्र की जानकारी

खनिजों के अवैध परिवहन की जांच के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, बोले किसी भी दशा में अवैध खनन और परिवहन न हो

गौरव सिंघल | सिटी चीफ सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान ने औचक निरीक्षण कर पुलिस चौकियों पर जाकर चौकी इंचार्ज से क्षेत्र की जानकारी ली। उन्होंने खनिजों के अवैध परिवहन की जांच के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी दशा में अवैध खनन और परिवहन न हो। डीएम ने सड़कों किनारे बाहर सोने वाले निराश्रित लोगो को लेकर भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति बाहर या सड़क किनारे न सोता मिले।

कराटे चैंपियनशिप में नीशू प्रजापति ने कांस्य पदक जीतकर अपनी एकेडमी और यूनिवर्सिटी का नाम किया रोशन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, देवबंद एक दिसंबर से 5 दिसंबर तक चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में चल रहे नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी कराटे चैंपियनशिप में नीशू प्रजापति ने कांस्य पदक जीतकर अपनी एकेडमी और यूनिवर्सिटी का नाम रोशन किया है। मां शाकुम्बरी यूनिवर्सिटी के सभी खिलाड़ियों में से नीशू प्रजापति ने कांस्य पदक जीता है। कोच बसंत उपाध्याय ने बताया कि उनकी एकेडमी की खिलाड़ी नीशू प्रजापति ने कांस्य पदक जीतकर अपनी एकेडमी और यूनिवर्सिटी का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि इसके बाद यह खिलाड़ी रोहतक में होने वाली ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में प्रतिभाग करेगी। इस मौके पर टूर्नामेंट डायरेक्टर सिहान, सुशील शर्मा, कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया महासचिव योगेश कालरा, व चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के डायरेक्ट ने मेडल देकर सम्मानित किया।

भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का 69 वें महापरिनिर्वाण दिवस बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ देवबंद नगर में मनाया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 69 वें महापरिनिर्वाण दिवस को बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ देवबंद में जाटव कॉलोनी नया बांस पर मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल देवबंद अध्यक्ष अरुण गुप्ता एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बाबा साहेब को माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। यह आयोजन बाबा साहेब के सपनों के भारत के निर्माण के प्रति लोगों की प्रतिबद्धता और उनके योगदान को याद रखने का एक प्रेरणादायक अवसर रहा। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अरुण गुप्ता, आलोक खटीक, लकी वर्मा, नरेश प्रधान, रंजीत वाल्मीकि, दीपक चंचल, गोपी जाटव, दीपक वाल्मीकि, विनोद जाटव, अजय जाटव, टिंकू जाटव, जोगेन्द्र सिंह जाटव और भाजपा कार्यकर्ता एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

अगर इश्क सच्चा हो तो इजहार क्या करना

निगाहें बोलती हों तो जुबां से बात क्या करना

इंदौर- श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर के साप्ताहिक कार्यक्रम सृजन विविधा में दिनांक 06-12-2024 को प्रेम, देशप्रेम, प्रकृति प्रेम और समाज के प्रति तथा राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्वबोध की रचनाएं कवियों ने सुनाईं। आरंभ में सरस्वती वंदना 'हे माँ तिमिर हरने वाली, वर दे...' शब्दों के साथ शीला चंदन ने शुभारंभ किया। अरविन्द जोशी ने अपनी कविता में कहा कि 'अगर खाली न होता आसमां, तो धूम हम तक कैसे पहुँचती...', दिनेश तिवारी उपवन ने आज की सामाजिक परिस्थितियों को उजागर करते हुए रचना पढ़ी 'रिश्ते अब औपचारिक हो गए हैं, जिनमें अपनापन नहीं रहा..', संजय तराणेकर ने कविता में भाव व्यक्त किए 'एक बार ही तो देखा था उसे, वो मेरे लिए अजनबी थी।' दामिनी सिंह ठाकुर ने अपनी गजल सुनाकर वाह-वाही लूटी। उनका यह शेर 'अगर इश्क सच्चा हो तो इजहार क्या करना, निगाहें बोलती हों तो जुबां से बात क्या करना..' बहुत पसंद किया गया। इसी भाव की रचना मदनलाल अग्रवाल मधुर ने पढ़ी 'मोहब्बत का बड़ा रुतबा, दिले गुमां देती है।' बहादुर अली ने अपनी 'अभिलाषा' रचना में कहा 'मन में अभिलाषा लिए विश्वास खोजता हूँ।' स्वाति सिंह साहिल ने आज के प्रसंग राम जानकी विवाह पर अपनी रचना सुनाईं। संतोष त्रिपाठी का गीत 'जाने कितनी सदियां बीतीं, दिल की तपन बुझाने में।' पसंद की गई। दिलीप रामचन्द्र नीमा ने सृजन विविधा पर ही अपनी रचना पढ़ीं, इन शब्दों के साथ 'मन रमता है सृजन विविधा में।' जयंत तिकोटकर ने राष्ट्रीय गीत 'भारत माँ की हम संतान...', ओज भरे शब्दों में सुनाकर वातावरण में बदलाव ला दिया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे हरेराम वाजपेयी ने 'हाथ बंद थे, पैर बंद थे, शहर बंद था, पत्थर खुले हुए थे और शहर बंद था' सुनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही वरिष्ठ साहित्यकार राधिका इंगले ने 'फाइकू' विधा पर रचना सुनाई एवं अध्यक्षीय उद्बोधन भी दिया। कार्यक्रम में नयन राठी, श्याम सिंह, सुधीर लोखंडे, जितेन्द्र मानव ने भी रचला पाठ किया। इस अवसर पर अरविन्द ओझा, दुले सिंह राजपूत, घनश्याम यादव आदि भी उपस्थित थे।

नवीन पंचायत भवन के निर्माण स्वीकृति हेतु आवेदन दिया

भवन सहित अन्य विकास कार्यों की मांग की सरपंच प्रतिनिधि चौहान ने

बाग - ग्राम पंचायत जामन्यापुरा के सरपंच प्रतिनिधि अर्जुन चौहान ने दिनांक 6 नवंबर 2024 शुक्रवार को धार जाकर जिला पंचायत सीईओ (आईएएस अधिकारी) अभिषेक चौहान एवं जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेहड़ा को पंचायत का नवीन भवन सहित पंचायत में अन्य निर्माणों की मांग करते हुए आवेदन दिया । जिसमें सरपंच प्रतिनिधि अर्जुन चौहान ने बताया की ग्राम पंचायत जामन्यापुरा में कही वर्षों से पंचायत भवन नहीं होने से बड़ी परेशानी होती है ग्राम सभा से लेकर अन्य बेठको के लिए पंचायत में कोई भवन नहीं है । जिसको लेकर ग्राम सभा में इसका ठहराव प्रस्ताव भी बनाया गया है । उसी नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति हेतु मेरे द्वारा जिला पंचायत सीईओ और जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार मेहड़ा से मुलाकात कर पंचायत भवन निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्यों का मांग पत्र सोपा गया है । मांग पत्र में नवीन पंचायत भवन सहित ग्राम पंचायत जामन्यापुरा के रिसावला चोर खोदरा ईट भट्टो के वहां नाले पर पुलिया निर्माण, जामन्यापुरा के मोटला अजय के घर से पटेलपूरा खोदरे तक सीसीरोड़ निर्माण वहीं धनसिह के घर से अमरसिंह निर्भय के घर तक का सीसीरोड़ निर्माण आदि कार्यों का मांग पत्र सोपा गया ।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया गया

बुरहानपुर- सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर आज जिला सैनिक कल्याण अधिकारी खण्डवा के प्रतिनिधि सूबेदार (से.नि.) मनोज कुमार पाटील ने कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सृष्टि देशमुख, अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों को सशस्त्र सेना दिवस के बैच एवं स्टीकर भेंट किये।इस अवसर पर सैनिकों के त्याग और बलिदान की गाथाओं से परिपूर्ण इतिहास बताया गया। सशस्त्र सेना ध्वज दिवस सैनिकों की स्मृतियों को जागृत करता है। यह दिवस नागरिकों में प्रेम और राष्ट्रीयता एकता की सद्भावना भी विकसित करता है प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 7 दिसम्बर, 2024 से 6 दिसम्बर, 2025 तक सशस्त्र सेना ध्वज दिवस मनाया जायेगा। यह दिवस सैनिकों के साथ एकात्मकता प्रकट करने का एक शुभ अवसर एवं देशवासियों को सैनिकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का उत्तम समय भी है।अधिक से अधिक राशि का दान सैनिक सहायता कोष (सशस्त्र सेना ध्वज दिवस) में करने का आव्हान किया गया। सैनिकों के कल्याण के लिए शासन द्वारा अनेकों योजनाएं संचालित की जा रही है। जो व्यक्ति या संस्था एकमुश्त दान इस कोष में देना चाहते है। उसकी रसीद भी प्राप्त कर सकते है। सशस्त्र सेना ध्वज दिवस में दिया गया दान आयकर अधिनियम के तहत आयकर से मुक्त है। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के महेन्द्र चौधरी सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि परिनिर्वाण और संविधान दिवस के रूप में मनाई गई, सशक्त पत्रकार समिति एवं बुरहानपुर मीडिया क्लब ने श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया

बुरहानपुर। भारत रत्न और संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की पुण्यतिथि परिनिर्वाण और संविधान दिवस के रूप में मनाई गई। सशक्त पत्रकार समिति एवं बुरहानपुर मीडिया क्लब के संयुक्त तत्वाधान में कार्यक्रम संपन्न हुआ। सशक्त पत्रकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने डॉ. बाबा साहेब पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह एक अच्छे समाज सुधारक, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, लेखक, बहुभाषाविद, मुखर वक्ता, विद्वान और धर्मों के विचारक थे, उनका जन्म वर्ष 1891 में महू में हुआ था, वह संविधान निर्माण की मसौदा समिति के अध्यक्ष थे, उन्हें 'भारतीय संविधान का जनक' माना जाता है और वह भारत के पहले कानून मंत्री थे, 6 दिसंबर, 1956 को उनका निधन हो गया था, इस दिन भारत ने अपना कोहिनूर हीरा खो दिया। लेकिन उनके जाने के बाद भी बाबा साहेब हर दिल से बसते हैं। वही बुरहानपुर मीडिया क्लब के जिला अध्यक्ष विनोद लोंढे ने कहा कि संविधान निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 6 दिसंबर को पुण्यतिथि मनाई गई, जिसमें महापरिनिर्वाण दिवस पर, हम अपने संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को नमन करते हैं। समानता और मानवीय गरिमा के लिए डॉ. आंबेडकर का अथक संघर्ष पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है। आज जब हम उनके योगदान को याद कर रहे हैं, हम उनकी दृष्टि को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। इस अवसर पर भगवानदास शाह, राहुल इंगले, दिग्विजय मोकल, संदीप भालसिंह, प्रीतम महाजन, निलेश महाजन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शौर्य दिवस पर श्री राम की आरती कर मनाया दिवस

खरगोन..

..शौर्य दिवस पर शुक्रवार शाम 7 बजे वहिप बजरंग दल पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के द्वारा कार्यक्रम किया गए इसके तहत पहले पोस्ट ऑफिस चौराहा पर भगवान राम की आरती की गई और आतिशबाजी की गई इसके बाद कार्य करता है यहां से तशो के साथ बिस्तान नाके पर पहुँचे यहाँ पर मंडली द्वारा भजन किए गए व अंत मे यहां पर भी आरती कर प्रसादी वितरण कि गई वही पोस्ट ऑफिस से वापस से कार्यकर्ताओं के जाने के दौरान पोस्ट ऑफिस चौराहा स्थित फल की दुकान से एक युवक हाथ में काला झंडा लेकर चौराहे की ओर आया प्रत्याशियों के अनुसार वह चौराहे पर काला झंडा लगाने की नियत से आया था इस पर चौराहे पर मौजूद पुलिस ने युवक को रोक लिया पुलिस युवक को पड़कर थाने ले गई वह बजरंग जिला अध्यक्ष नितिन मालवीय ने बताया कि हमने शांतिपूर्ण ढंग से हमारा आयोजन किया इसके बाद वर्ग विशेष के युवक द्वारा की गई इस तरह की घटना हर स्थिति में निंदनीय है ऐसी हरकत से शहर की शांति भंग हो सकती है उन्होंने कहा कि संगठन इस तरह के हरकतों का पुरजोर विरोध करेगी और पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी थाना प्रभारी बीएल मंडलोई ने बताया कि बिरला मार्ग निवासी शोएब नामक युवक काला झंडा लेकर चौराहे पर आया था शांति व्यवस्था को देखते हुए थाने पर बिठाया है।

आलोट न्यायालय ने निवेशक की रिपोर्ट पर ए डी वी चिट फंड कंपनी के एम डी को तीन -तीन वर्ष का कारावास और 10-10 हजार का जुर्माने की सजा सुनाई शेष दो आरोपी ए डी वी के एजेंट भाजपा नेता स्थाई फरार

एडवोकेट राजेश मंडवारिया ने बताया कि परिवादी निवेशक कैलाशचंद्र पिता रामचंद्र जी सेठिया निवासी बरखेड़ा कला की दुकान पर ए डी वी लिमिटेड कंपनी के एम डी राजेंद्रसिंह पिता रामसिंह सिसोदिया निवासी जमुनिया शंकर थाना बरखेड़ा और रघुवीरसिंह पिता गंगासिंह राठौर निवासी गांवड़ी थाना बड़नगर और ए डी वी के एजेंट हरिसिंह पिता लक्ष्मणसिंह गुर्जर निवासी निपानिया ताल थाना बरखेड़ा और रमेश पिता अमृतलाल ब्राह्मण निवासी निपानिया ताल थाना बरखेड़ा आए और परिवादी कैलाशचंद्र सहित उनके भाई गोपाल व सत्यनारायण को विश्वास में लेकर बेइमानी पूर्वक कहा कि राजेंद्र और रघुवीर ए डी वी बैंक के एम डी है और हम दोनों ए डी वी बैंक के पंजीकृत एजेंट है ए डी वी बैंक शासन द्वारा मान्यता प्राप्त बैंक है इसमें तुम लोग फिक्स्ड डिपॉजिट करोगे तो पांच साल बाद तुमको हम लोग ए डी वी से दोगुने रुपए दिलवाएंगे और ए डी वी का ऑफिस आलोट में कारगिल चौराहे पर है उक्त लोग परिवादी के गांव के पास के होने से विश्वास में आकर परिवादी कैलाशचंद्र ने आरोपीगण को एकमुश्त चार लाख दो सौ रुपए दे दिए जिस पर आरोपीगण ने परिवादी को चार लाख दो सौ रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट की रसीद दे दी साथ ही कैलाशचंद्र के भाई गोपाल और सत्यनारायण से भी बेइमानी पूर्वक लालच देकर रुपए लेकर फिक्स्ड डिपॉजिट कर दी और फिक्स्ड डिपॉजिट की पांच साल की अवधि पूरी होने पर परिवादी और अन्य निवेशक ने दोगुना रुपए की मांग की तो आरोपीगण रोजाना टालमटोल करते रहे और फिर रुपए देने से इनकार कर दिया और कारगिल चौराहे का ऑफिस भी बंद कर दिया एवं कहा कि कंपनी दिवालिया हो गई अब कंपनी के पास रुपए नहीं है हम तुमको कोई रुपए नहीं देंगे तुमसे जो बन पड़े वो कर लो आरोपीगण हरिसिंह ओर रमेश ने ए डी वी के एजेंट होने का शपथ पत्र भी परिवादी को दिया था इस प्रकार आरोपीगण ने परिवादी के साथ सोची समझी साजिश के तहत धोखाधड़ी पूर्वक चिटफंड कंपनी को बैंक बताकर रुपए ऐंठ लिए जिस पर परिवादी ने रिपोर्ट पुलिस बरखेड़ा एवं लोकायुक्त उज्जैन को की लेकिन कार्यवाही नहीं होने के बाद परिवादी ने एडवोकेट राजेश मंडवारिया लक्ष्मण सुंदरा विनोद पाटीदार के माध्यम से परिवादी ने चारों आरोपीगण के खिलाफ न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आलोट के समक्ष प्राइवेट कंपलेंट पेश की जिस पर न्यायालय ने संज्ञान लिया प्रकरण के विचारण के दौरान परिवादी कैलाशचंद्र की विगत वर्ष मृत्यु हो गई तदोपरांत कैलाशचंद्र के पुत्र दिनेश सेठिया और पत्नी ग्यारसीबाई ने न्यायालय में कैलाशचंद्र के स्थान पर उपस्थित होकर प्रकरण ट्रायल फेस किया और साक्षी गोपाल ने उपस्थित होकर कथन दिए एवं ए डी वी की फिक्स्ड डिपॉजिट की रसीदें ओर अन्य दस्तावेज पेश कर विचारण पूरा किया प्रकरण का विचारण आरोपीगण राजेंद्र व रघुवीर ने भेरूगढ़ जेल उज्जैन में निरुद्ध रहते हुए किया उसके बाद संपूर्ण विचारण के बाद न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आलोट मधुबाला सोलंकी ने ए डी वी चिट फंड कंपनी के एम डी आरोपीगण राजेंद्रसिंह एवं रघुवीरसिंह को तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास और दस -दस हजार के जुर्माने की सजा सुनाई शेष दो आरोपीगण एजेंट हरिसिंह गुर्जर (जोगणिया माता मंडल बरखेड़ा मंडल महामंत्री) एवं रमेश ब्राह्मण कई दिनों से स्थाई फरार चल रहे है जो राजनीति के चलते गिरफ्तारी से बच रहे है। परिवादी की और से पैरवी एडवोकेट राजेश मंडवारिया लक्ष्मण सुंदरा विनोद पाटीदार ने की। आरोपीगण ने ए डी वी चिटफंड कंपनी के नाम पर और भी कई लोगों से धोखाधड़ी की है इसके पहले भी आरोपीगण के खिलाफ कई न्यायालय में मुकदमे विचाराधीन है और कई मुकदमों में सजा हुई है रतलाम न्यायालय से भी आरोपीगण को 3-3 वर्ष की सजा हुई है एवं राजसमंद छत्तीसगढ़ न्यायालय से 7-7 वर्ष की सजा हुई है जिसमे भेरूगढ़ जेल उज्जैन में बंद है।

सीएम राइज विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

सीएम राइज शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आलोट में अध्यनरत व्यवसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों ने एमआईटी कॉलेज,श्री जी नर्सिंग कॉलेज और नाहटा कॉलेज मंदसौर में औद्योगिक भ्रमण कर विभिन्न प्रकार के व्यवसायिक कौशल और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से संबंधित जानकारियां प्राप्त की।

एम आई टी कॉलेज मंदसौर के आई टी विशेषज्ञ आशीष जी अग्रवाल ने कौशल विकास,रोजगारोन्मुखी और कैरियर संबंधी जानकारी दी। इस अवसर पर भ्रमण पर निकले विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन प्रकार के कौशलों और स्वास्थ्य सेवा से संबंधित जिज्ञासापूर्ण प्रश्न पूछे। इसमें कॉलेज के प्रोफेसर द्वारा कॉलेज में संचालित कोर्सेज और लैब के बारे में जानकारी दी गई।

भ्रमण के दौरान सीएम राइस विद्यालय के प्राचार्य फिरोज खान,व्यावसायिक प्रशिक्षक राहुल मंडवारिया,पूजा कारपेंटर,मडिया परमार, विजय आंजना भ्रमण के दौरान उपास्थित रहे प्राचार्य फिरोज़ खान शिक्षक गोपाल पोरवाल,निर्भय सिंह परिहार, पीयूष शर्मा, महीपाल गणावा, शिवांगी मिट्ठोलिया बलवंत गोयल आदि शिक्षकों ने छात्रों को शुभकनाएं देते हुए छात्रों को रवाना किया।

शांति सद्भव के प्रतीक महात्मा गांधी की ऐतिहासिक यात्रा की सुनहरी यादे को संजोए ...गांधी के पद चिन्ह का आयोजन बुरहानपुर में

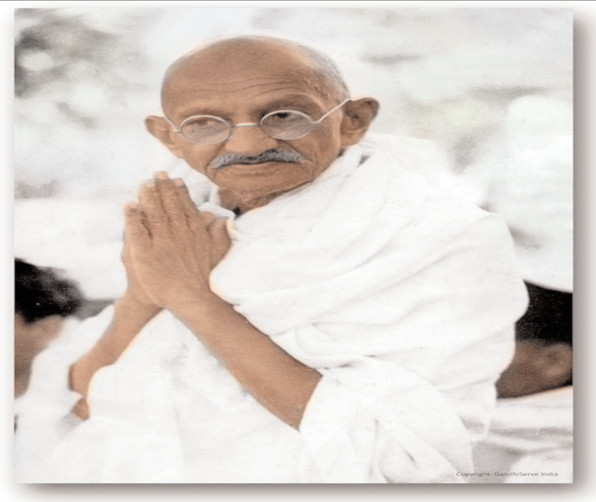

बुरहानपुर

बुरहानपुर मे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ऐतिहासिक यात्रा के अवशेष पुण्य स्मृति मे बुरहानपुर मे गांधी के पद चिन्ह का आयोजन आगामी 8 दिसम्बर 2024 को 11 सुबह बजे स्थानीय गांधी भवन मे सम्पन्न होगा।

संयुक्त राष्ट्र से मान्यता प्राप्त वैश्विक शांति संघठन गांधी ग्लोबल फेमिली की जिला ईकाई बुरहानपुर और स्थानीय संस्था गांधी शांति समिति के इस संयुक्त आयोजन की जानकारी देते हुये गांधी ग्लोबल फेमिली के तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला ने बताया कि भारत के स्वतन्त्रता आंदोलन के दौरान 8 दिसम्बर 1933 को राष्ट्रपिता गांधी बुरहानपुर पधारे थे।राष्ट्रीय पिता महात्मा गांधी जी ने बुरहानपुर के लोगो को राष्ट्रीय एकता, शांति, सौहार्द्र भाईचारा, सामाजिक समरसता और अस्पृश्यता के निवारण के लिए संदेश देकर आजादी के आंदोलन की अलख जगाई थी। तफ्फजुल हुसैन मुलायम वाला ने बताया कि महात्मा गांधी जी की इस ऐतिहासिक यात्रा की स्मृति मे एक गैर राजनीतिक कार्यक्रम गांधी के पद चिन्ह का आयोजन स्थानीय गांधी भवन मे 8 दिसम्बर को किया जायेगा जिसमे रामधुन व सर्व धर्म प्रार्थना होगी। उन्होने बताया की उक्त कार्यक्रम गैर राजनीतिक आयोजन होने से उसमे सभी गांधी जनो के साथ शहर के सभी प्रबुद्ध गण मान्य नागरिक सांसद, विधायक, महापौर विभिन्न राजनीतिक दलो के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार, साहित्यकार ,शांति व सद्भाव के प्रेरक रचनात्मक कार्यकर्ता व सभ्रान्त नागरिक? को आमंत्रित किया गया है ।

जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में जीणोद्धार हेतु 18 लाख 46 हजार की राशि का विधायक दमोह मलैया ने किया भूमिपूजन

दिव्यांग बच्चों का समर्थ प्रदर्शन कार्यक्रम संपन्न

दमोह दिव्यांग बच्चों का समर्थ जिला स्तरीय प्रदर्शन कार्यक्रम स्थानीय जिला पुनर्वास केंद्र परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र का भूमि पूजन पूर्व वित्त मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने किया। दमोह विधायक श्री मलैया ने अपने उद्बोधन में दिव्यांग बच्चों के संस्कृत एवं खेल गतिविधियों की तारीफ करते हुए कहा इन बच्चों को आगे बढ़ाने में सभी सहयोग करें। उन्होंने विधायक निधि से सभी दिव्यांग बच्चों को ब्रेल किट प्रदान करने की घोषणा की। विधायक हटा उमा देवी खटीक ने कहा अभिभावक इन बच्चों पर विशेष ध्यान दें। मैं भी स्वयं पोलियो से दिव्यांग हूं, सभी के उत्साह एवं मार्गदर्शन से मैं यहां तक पहुंची हूं। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा लोक निर्माण विभाग के माध्यम से जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में जीणोद्धार हेतु 18 लाख 46 हजार की राशि स्वीकृत की गई हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मंजू धर्मेंद्र कटारे ने कहा स्पेशल चाइल्ड की महत्वता बताते हुए कहा दिव्यांग बच्चों ने पैरा ओलंपिक खेलों में कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं और सभी बच्चों को अपनी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं इनमें कुर्सी दौड़, गोला फेंक, रंगोली, मेहंदी, चित्रकला के साथ गायन-वादन, नृत्य, सुंदर प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान दिव्यांग बच्चों को मंच के माध्यम से सम्मानित किया गया। दिव्यांग बच्चों द्वारा खुद से बने हुए घरेलू उपयोग के समान बैग, पर्स, टोकनी, फ्लावर पॉट आदि का स्टाल लगाए जिनकी जनप्रतिनिधियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। रोटरी क्लब दमोह के द्वारा बच्चों को गिफ्ट प्रदान किए गये। समग्र शिक्षा द्वारा बच्चों को प्रशस्ति पत्र, गर्म कपड़े प्रदान किए गए। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय अविनाश रावत, जिला शिक्षा अधिकारी एसके नेमा, डीपीसी मुकेश द्विवेदी, ललित रैकवार, प्रवेंद्र वैद, मोहन राय, सत्यनारायण तिवारी, कनिष्क साहू, कार्यक्रम अधिकारी समीक्षा जैन, प्राचार्य नूतन पटेरिया, प्रेमलता उपाध्याय, राजाराम श्रीवास्तव, एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में चित्तर सिंह, सदन नेमा, नरेंद्र पटेल, राजू गांगरा, रवि शंकर पाठक, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण, छात्रों के पालक मौजूद रहे। कार्यक्रम का प्रयोजन मुकेश द्विवेदी ने व्यक्त किया। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी एस के नेमा ने कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विपिन चौबे ने किया। अंत में आभार दमोह बीआरसी ललित रैकवार ने व्यक्त किया।

दमोह जिला अध्यक्ष पद के लिए मचा घमासान

जातिगत समीकरण भी बैठ सकता है फिट

ब्राह्मण समाज से भी हो सकता है भाजपा जिला अध्यक्ष

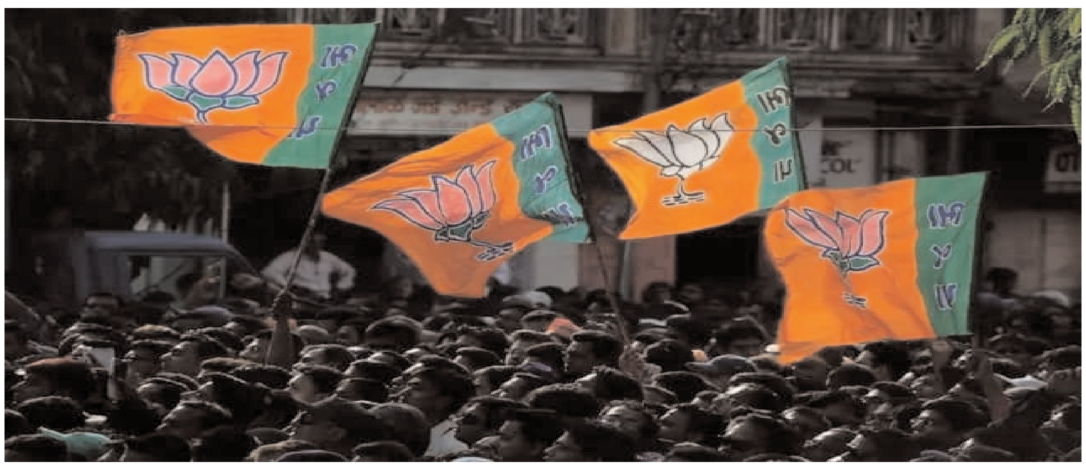

दमोह- भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक चुनाव आरंभ होने वाले हैं, पहले मंडल स्तर के चुनाव होंगे, इसके बाद जिलाध्यक्ष के चुनाव के बाद प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होगा। भाजपा संगठन चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। दमोह जिला में पहली बार भाजपा से सामने आ रहा है कि भाजपा जिलाध्यक्ष की कुर्सी पाने के लिए 60 से अधिक दावेदार सामने आ रहे हैं। जिनमें वर्तमान जिलाध्यक्ष पुनः पदासीन होने के लिए प्रत्यनशील हैं।

दागी और बागी रेस से बाहर इस बार भाजपा जिलाध्यक्ष की कुर्सी पर भाजपा का निष्ठावान कार्यकर्ता ही बैठेगा, जो विपरीत परिस्थितियों में पार्टी की रीति-नीति से बंधा रहा हो, उसे ही मौका दिया जाएगा। जिन पर पार्टी से बगावत करने के आरोप लगे, दागी रहे और बागी हुए, जिन्होंने विधानसभा उपचुनाव, मुख्य विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में काम नहीं किया, ऐसे कार्यकर्ता पहले ही चरण में भाजपा जिलाध्यक्ष की रेस से बाहर हो जाएंगे। हालांकि 60 दावेदारों की सूची में ऐसे दागी और बागी भी शामिल हैं, जो भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं।

उम्र बंधन की सीमा रेखा भाजपा जिलाध्यक्ष बनने के लिए 45 साल से लेकर 60 साल के बीच आयु सीमा रेखा निर्धारित है। लेकिन इससे कम उम्र के दावेदार भी जिलाध्यक्ष की कुर्सी पाने उच्च संगठन सोर्सों की दम पर मैराथन दौड़ में शामिल है, हालांकि यह नियम विपरीत है, लेकिन उम्र को दरकिनार रखते हुए भाजपा जिला संगठन में कम उम्र के दावेदार को उपाध्यक्ष बनाया गया था। इसी बिंदु को पकडक़र कम उम्र के युवा नेता भी जिलाध्यक्ष पद पाने के लिए प्रयासरत हो गए हैं।

जातिय समीकरण की गोटी दमोह की राजनीति में जातिय समीकरण अब वजनदारी रखने लगे हैं। दमोह लोकसभा में लोधी वर्ग से सांसद बनते आ रहे हैं। इस वर्ग का एक विधायक भी हैं। वहीं कुर्मी वर्ग से भी एक विधायक बने हैं। लोधी व कुर्मी विधायक को मंत्री पद से भी नवाजा जा चुका है। अब जातिय समीकरण के हिसाब से देखा जाए तो पिछड़े वर्ग में ही कई ऐसी जातियां समाहित हैं, जिनका समाज में अच्छा प्रतिनिधित्व है।

ब्राह्मण समाज से भी हो सकता है भाजपा जिला अध्यक्ष इन सबके बाद ब्राह्मण वर्ग आता है, जो चारों विधानसभा में अपनी अच्छी खासी उपस्थिति रखता है। इस जाति के ऐसे भी कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने पार्टी की रीति नीति पर चले हैं, भले ही विपरीत परिस्थितियां रही हैं, जिनमें से एक नोहटा थाना क्षेत्र से आते हैं तो दूसरे गैसाबाद थाना क्षेत्र में निवासरत हैं, जिन्हें ब्राह्मण समाज से प्रबल दावेदार माना जा सकता है।

संघ से भी भेज सकते हैं हालांकि सीधे संघ से अब तक दमोह में कोई भी जिलाध्यक्ष नहीं बना है, लेकिन इस बार संघ से भी किसी स्वयंसेवक को जिलाध्यक्ष की कुर्सी के लिए भेजा जा सकता है। जिसमें युवा चेहरा भी हो सकता है। जिसकी एक आवाज पर हजारों युवा खड़े हो सके, ऐसा स्वयं सेवक भी इस बार भाजपा जिलाध्यक्ष की कुर्सी पर आसीन हो सकता है।

वर्तमान जिलाध्यक्ष फिर प्रयासरत वर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष फिर प्रयासरत हैं, वह इसलिए कि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष व्हीडी शर्मा ने जिलाध्यक्ष बनाया था, उन्हें फिर से ही अध्यक्ष बनाना है, जिससे वर्तमान जिलाध्यक्ष आखिरी दांव खेलना चाहते है। क्योंकि उन्हें व्हीडी शर्मा का ही खास माना जाता है। हालांकि इनके कार्यकाल के दौरान इन पर संगठनात्मक आरोप-प्रत्यारोप भी लगे हैं। जिन्हें राजनीति का एक हिस्सा माना जाता है, क्योंकि कुर्सी की दौड़ में अपने ही साथ वाले शामिल रहते हैं और कुछ नकारात्मक बातें चलाई जाती हैं, जिनसे कुर्सीधारी को कुछ नफा-नुकसान हो सकता है।

पॉवर फुल पद भाजपा लगातार सत्ता में है, भाजपा जिलाध्यक्ष का पद पॉवर फुल इसलिए है कि वह सरकार, सत्ता, शासन और प्रशासन के बीच समन्वयक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करता है। भाजपा जिलाध्यक्ष का पॉवर होने से इस पद को पाने के लिए इस बार 60 दावेदार सामने आ रहे हैं, जो मैराथन दौड़ में शामिल हैं।

74 साल की उम्र में दुनिया के सबसे पुराने जंगली पक्षी ने दिया अंडा

नेशनल डेस्क. दुनिया के सबसे पुराने जंगली पक्षी ने लगभग 74 साल की उम्र में फिर से अंडा दिया है। यह पक्षी लेसन अल्बाट्रॉस प्रजाति का है और इसका नाम विज्डम है। यह अद्वितीय घटना अमेरिका की मछली और वन्यजीव सेवा ने प्रशांत महासागर में मिडवे एटोल राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य में दर्ज की है। इस दौरान विज्डम को अपने नए साथी के साथ अंडे की देखभाल करते हुए देखा गया। लेसन अल्बाट्रॉस प्रजाति के पक्षी आमतौर पर केवल 12 से 40 साल तक जीवित रहते हैं, लेकिन विज्डम ने अपनी उम्र के साथ इस सीमा को पीछे छोड़ दिया है। इसे पहली बार 1956 में टैग किया गया था, जब यह लगभग पांच साल का था। उस समय विज्डम ने अपना पहला अंडा दिया था। इसके बाद से विज्डम ने 2021 में आखिरी बार बच्चा दिया था और माना जाता है कि उसने अब तक अपने जीवन में 30 से अधिक बच्चों को जन्म दिया है।

जीवनभर एक ही साथी के साथ संबंध

अमरीकी मछली और वन्यजीव सेवा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि विज्डम ने इस साल एक नए साथी के साथ अंडा दिया है, क्योंकि उसका पुराना साथी अकेकामाई पिछले कुछ सालों से गायब है। लेसन अल्बाट्रॉस प्रजाति आमतौर पर जीवनभर एक ही साथी के साथ रहती है, लेकिन विज्डम की उम्र को देखते हुए यह संभव है कि उसने अपने पहले साथी को खो दिया हो।

संस्थान के वाइल्डलाइफ बायोलॉजिस्ट जॉन ग्लिसन ने बीबीसी रेडियो 4 पर एक कार्यक्रम में कहा कि विज्डम में अभी भी अंडा देने की ऊर्जा और वृत्ति है। विज्डम की प्रजनन क्षमता अब भी मजबूत है, और उसके अंडे से बच्चा होने की 70-80 प्रतिशत संभावना है। जॉन ने यह भी बताया कि हम हर साल विज्डम के लौटने का बेसब्री से इंतजार करते हैं और उसकी इस यात्रा के दौरान हमें बहुत खुशी होती है।

महात्मा गांधी की राह पर इमरान खान !

पाक सरकार को 14 दिसंबर से सविनय अवज्ञा आंदोलन की दी चेतावनी

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लगता है महात्मा गांधी की राह पर चलते नजर आ रहे हैं। इमरान ने पाकिस्तान सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनकी दो प्रमुख मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 14 दिसंबर से सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह घोषणा अपने असफल प्रदर्शन के बाद की, जिसमें उनकी रिहाई और अन्य मांगों को लेकर पूरे देश से उनके समर्थक इस्लामाबाद पहुंचे थे। इमरान खान की मांग है कि 9 मई 2023 की घटनाओं की स्वतंत्र जांच के लिए न्यायिक आयोग बनाया जाए ऋछ्व प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच हो। और न प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार सभी PTI कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा किया जाए।

इमरान खान ने सरकार से वार्ता के लिए पांच सदस्यीय समिति बनाई है। इसमें उमर अयूब खान, अली अमीन गंडापुर, साहिबजादा हामिद रजा, सलमान अकरम राजा और असद कैसर शामिल हैं। यह समिति उनकी मांगों को लेकर सरकार से चर्चा करेगी। इमरान खान ने जेल से संदेश दिया कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 14 दिसंबर से सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू होगा। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन में लोग सरकार के आदेशों का पालन नहीं करेंगे और इसके परिणामों की जिम्मेदारी सरकार पर होगी। इमरान खान की रिहाई और अन्य मांगों के लिए PTI ने इस्लामाबाद में बड़ा प्रदर्शन किया था। PTI का दावा है कि इस प्रदर्शन में 12 कार्यकर्ता मारे गए और करीब 1000 गिरफ्तार हुए।

सरकार ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों पर हमला किया, जिसमें तीन रेंजर्स और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। इमरान खान ने 13 दिसंबर को पेशावर में मारे गए PTI कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए एक बड़ी सभा का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह मामले का संज्ञान ले और अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाए। इमरान खान की चेतावनी और PTI का आंदोलन पाकिस्तान में पहले से जारी राजनीतिक संकट को और गहरा सकता है। अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 14 दिसंबर से देश में बड़ा आंदोलन शुरू होने की संभावना है, जिससे सरकार और PTI के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

आइवरी कोस्ट में दो बसों की भीषण टक्कर में 26 लोगों की मौत, 28 घायल

इंटरनेशनल डेस्क। पश्चिम अफ्रीका में स्थित एक देश कोत दिव्वार, जिसका पुराना नाम आईवरी कोस्ट में शुक्रवार को दो बसों की भीषण टक्कर में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परिवहन मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि देश के मध्य-पश्चिम में ब्रोकोआ गांव में दो वाहनों की टक्कर हो गई। बयान में कहा गया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मंत्रालय के अनुसार, मारे गए 26 लोगों में से दस की मौत टक्कर के बाद लगी आग में झुलसने से हुई।

स्थानीय मीडिया संस्थानों द्वारा प्रसारित किए जा रहे घटनास्थल के वीडियो में दो वाहनों में लगी आग देखी जा सकती है। बयान में कहा गया, ''परिवहन मंत्री ने लोगों से यातायात नियमों का पालन कर अधिक सतर्क रहने की अपील की है। खस्ताहाल सड़कों और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण पश्चिमी अफ्रीकी देश में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। मंत्रालय के अनुसार, इस तरह की दुर्घटनाओं में हर साल एक हजार से अधिक लोग अपनी जान गंवा देते हैं।

दुबई से लाखों खर्च कर बारात लेकर भारत आया दुल्हा...

न पैलेस मिला न दुल्हन, भूखा-प्यासा थाने पहुंचा

नेशनल डेस्क. एक दूल्हा, जो दुबई से बारात लेकर भारत के मोगा पहुंचा था, को उसकी शादी में बड़ा धोखा मिला। न तो शादी का पैलेस मिला और न ही दुल्हन। इस पूरे घटनाक्रम में दूल्हा अपने परिवार के साथ भूखा-प्यासा थाने पहुंचा और पुलिस से मदद की गुहार लगाई।

यह मामला जालंधर के दीपक कुमार का है, जिन्होंने तीन साल पहले इंस्टाग्राम पर मोगा की एक लड़की से बातचीत शुरू की थी, जो धीरे-धीरे प्रेम प्रसंग में बदल गई। दीपक और लड़की ने 6 दिसंबर को शादी का दिन तय किया था। दीपक अपनी बारात लेकर मोगा पहुंचा, लेकिन दुल्हन और शादी का स्थल दोनों ही नहीं मिले।

दीपक ने बताया कि तीन साल पहले उसकी इंस्टाग्राम पर मोगा की एक युवती से बातचीत शुरू हुई, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। 6 दिसंबर को शादी का दिन तय हुआ था। दीपक ने शादी के खर्च के लिए दुल्हन पक्ष को दुबई से 70 हजार रुपए भेजे थे और पूरी बारात के साथ मोगा पहुंच गया।

बारात लेकर जब वह मोगा के लोहार चौक पर सुबह से खड़ा हुआ, तो दुल्हन ने उसे लुधियाना और फिर गीता भवन के पास का पता बताया, लेकिन शाम तक न तो दुल्हन का कोई पता चला और न ही शादी का कोई इंतजाम हुआ। दुल्हन बार-बार दीपक को टालती रही और फिर उसने मोबाइल भी बंद कर लिया।

दीपक ने बताया कि वह लंबे समय से वाट्सएप पर लड़की से संपर्क में था और दोनों ने शादी का मन बनाया था। 3 दिसंबर को शादी के लिए वह दुबई से जालंधर लौट आया और शादी का दिन तय होने के चलते अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को बारात में शामिल कर मोगा पहुंचा।

दीपक ने पुलिस को बताया कि जिस युवती से उसकी इंस्टाग्राम पर बातचीत हो रही थी, उसने खुद को वकील बताया और अपना नाम मनप्रीत कौर बताया। दीपक ने दुल्हन पक्ष को 70 हजार रुपए भेजे थे, साथ ही 22 हजार रुपए वीडियो बनाने वाले को दिए थे। इसके अलावा, बारात के खर्चे, गाड़ियों का किराया और अन्य खर्चों में करीब 3 से 4 लाख रुपए खर्च हो गए थे।

दीपक कुमार की यह घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है कि सोशल मीडिया पर रिश्ते बनाने में सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि कभी-कभी यह धोखाधड़ी का कारण बन सकता है।

ब्रिटेन में महाराजा चार्ल्स ने 2 भारतीयों रमी रेंजर व अनिल भनोट को दिए विशेष सम्मान किए 'रद्द

इंटरनेशनल डेस्क। ब्रिटेन के 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स के भारतीय मूल के सदस्य रमिंदर सिंह रेंजर को शुक्रवार को 'कमांडर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (ष्टक्क्ष) का सम्मान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन पर सम्मान प्रणाली को बदनाम करने का आरोप है। इसके साथ ही हिंदू समुदाय और अंतर-धार्मिक संबंधों में सेवाओं के लिए 'ऑफिसर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के रूप में अनिल कुमार भनोट की दी गई नियुक्ति को भी रद्द कर दिया गया है। कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य और ब्रिटेन स्थित स्नस्ष्ट्र कंपनी सन मार्क लिमिटेड के संस्थापक रमिंदर सिंह रेंजर को दिया सम्मान महाराजा चार्ल्स तृतीय द्वारा रद्द और निरस्त कर दिया गया।

रमिंदर को लॉर्ड रमी रेंजर के नाम से भी जाना जाता है। उनके प्रवक्ता ने इस फैसले को अन्यायपूर्ण करार दिया और बताया कि रेंजर इसे चुनौती देंगे। ब्रिटिश मंत्रिमंडल कार्यालय की जब्ती समिति ने हालांकि ऐसी सिफारिशों के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन यह कदम पिछले साल लॉर्ड्स की जांच के बाद उठाया गया है, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया था कि रेंजर ने धमकाने और उत्पीड़न से संबंधित संसदीय आचार संहिता का उल्लंघन किया था। 'द लंदन गजट में प्रकाशित आधिकारिक सार्वजनिक सूचना में कहा गया, महाराजा ने निर्देश दिया है कि 31 दिसंबर, 2015 को 'कमांडर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के रूप में रमिंदर सिंह की नियुक्ति रद्द कर दी जाएगी और उनका नाम उक्त आदेश के रजिस्टर से मिटा दिया जाएगा।

मंत्रिमंडल कार्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति किसी फौजदारी अपराध, ऐसे व्यवहार का दोषी पाया जाता है जिसके परिणामस्वरूप नियामक या पेशेवर निकाय द्वारा उसकी निंदा की जाती है, या ऐसा व्यवहार करता है जो सम्मान प्रणाली को बदनाम करने वाला माना जाता है तो उसका सम्मान वापस लिया जा सकता है। लॉर्ड रेंजर के प्रवक्ता ने प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और गोपनीयता के उच स्तर पर गंभीर चिंताएं जताईं और कहा कि वह अनुचित निर्णय को चुनौती देने पर विचार कर रहे हैं। प्रवक्ता ने कहा, लॉर्ड रेंजर ने कोई अपराध नहीं किया है और न ही उन्होंने कोई कानून तोड़ा है, जबकि जिन लोगों का सम्मान इस तरह से रद्द किया गया है, उनमें से अधिकांश ने या तो अपराध किया है या कानून तोड़ा है।

प्रवक्ता ने कहा कि वह अपने लिए उपलब्ध विभिन्न कानूनी रास्तों के माध्यम से निवारण के सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं तथा स्वयं को निर्दोष साबित करने के लिए इस अन्यायपूर्ण निर्णय को चुनौती देंगे। उन्होंने कहा कि लॉर्ड रेंजर सीबीई के पात्र प्राप्तकर्ता थे और जिस तरह से यह उनसे छीना गया है, वह शर्मनाक है। इस सप्ताह जब्ती समिति के निर्णय में अनिल कुमार भनोट का भी नाम शामिल है, जिन्हें जून 2010 में दिवंगत महारानी के जन्मदिन के अवसर पर हिंदू समुदाय और अंतर-धार्मिक संबंधों में उनकी सेवाओं के लिए ओबीई की उपाधि से सम्मानित किया गया था। फैसले में कहा गया, महाराजा ने निर्देश दिया है कि अनिल कुमार भनोट की 12 जून 2010 को 'ऑफिसर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (ओबीई) के रूप में की गई नियुक्ति को रद्द कर दिया जाएगा और उनका नाम उक्त आदेश के रजिस्टर से मिटा दिया जाएगा।

अब सिर्फ 50 मिनट में पहुंचेंगे जयपुर से दिल्ली, आ रही है हाइपरलूप ट्रेन

नेशनल डेस्क. भारतीय रेलवे ने IIT मद्रास के साथ मिलकर देश का पहला हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक तैयार किया है। हाइपरलूप एक नई और अत्यधिक तेज़ यात्रा तकनीक है, जिसमें ट्रेन को ट्यूब के अंदर चलाया जाता है, जिससे यह हवा से रगड़ के बिना बहुत तेज़ गति से यात्रा करती है। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें ट्रेन बिना रुके एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सकती है और यह पूरी तरह से प्रदूषण-मुक्त होती है। इस हाइपरलूप ट्रैक पर अब तक 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलाने का परीक्षण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। अब अगले चरण में इसकी गति 600 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाने की तैयारी है। यदि यह परीक्षण भी सफल रहता है तो हाइपरलूप प्रणाली देश में रेल यात्रा के परिदृश्य को पूरी तरह से बदल सकती है। हाइपरलूप तकनीक की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह ट्रेन बहुत कम समय में लंबी दूरी तय कर सकती है। उदाहरण के तौर पर यदि हाइपरलूप प्रणाली पूरी तरह से लागू हो जाती है तो केवल 50 मिनट में जयपुर से दिल्ली पहुंचा जा सकेगा। यह ट्रेन बिना रुके एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक जाएगी, जिससे यात्रा का समय बहुत कम हो जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569